सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 08 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 20 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दीपावली और गोवर्धन पूजा की दी हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को दीपावली और गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली का पर्व प्रकाश, सत्य और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीपावली का यह पावन पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीपों का यह उत्सव हमारे जीवन में नई ऊर्जा, नई चेतना और आशा का संचार करता है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे दीपावली को स्वदेशी भावना के साथ, पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए मनाएं और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनकर समाज में प्रेम और सौहार्द का संदेश फैलाएं।

मुख्यमंत्री साय ने गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति, पशुधन और पर्यावरण के प्रति हमारी श्रद्धा और आभार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाती है कि प्रकृति का संरक्षण ही समृद्धि का आधार है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दीपावली और गोवर्धन पूजा का यह पावन अवसर छत्तीसगढ़ राज्य में खुशहाली, समृद्धि और विकास की नई रोशनी लेकर आएगा तथा हर घर में आनंद, शांति और उजाला फैलाएगा।

खेल कोटे से रेलवे में 46 पदों पर होगी भर्ती

बिलासपुर। खेल कोटे से नॉर्थ सेंट्रल रेलवे में 46 पदों पर भर्ती की जा रही है। इसके लिए 2 नवंबर तक आवेदन किए जा सकते हैं। इसमें 9 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार पे-लेवल 4-5 के 5 पद, लेवल 2-3 में 16 और लेवल-1 में 25 पद भरे जाएंगे। कुश्ती के 2 पुरुष पद, हॉकी में एक पुरुष व एक महिला, वेटलिफ्टिंग की एक महिला व एक पुरुष के पद खाली हैं। इसी प्रकार बैडमिंटन में एक महिला, एक पुरुष, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, कबड्डी, स्वीमिंग व बास्केटबॉल में पुरुष खिलाड़ियों के लिए एक-एक पद खाली है। लेवल- 2-3 के 16 पदों पर हॉकी व एथलेटिक्स की महिला खिलाड़ी के लिए एक पद खाली है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट http//www.rrcpryj.org. का अवलोकन कर सकते हैं।

दिवाली पर रायपुर समेत 24 जिलों में आज यलो अलर्ट

रायपुर। मौसम विभाग ने आज छत्तीसगढ़ के 24 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और आंधी की संभावना जताई गई है। रायपुर और दुर्ग-भिलाई में सुबह से बादल छाए हुए हैं। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 33.2 डिग्री दुर्ग में और न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया है। अगले 5 दिनों तक तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। इस बार अक्टूबर में अब तक सामान्य से 85 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। आमतौर पर 16 अक्टूबर तक राज्य में औसतन 42.7 मिमी वर्षा होती है, लेकिन इस बार अब तक 79.1 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

उज्ज्वला योजना 2.0 : नया कनेक्शन 15 दिन में मिलेगा, विभाग ने जारी किया गाइडलाइन

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत मिलेंगे सवा लाख घरेलू एलपीजी कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना अंतर्गत 10.33 करोड़ से अधिक आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं घरेलू एलपीजी कनेक्शन देने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ में सवा दो लाख हितग्राहियों को नि:शुल्क एलपीजी कनेक्शन दिया जाएगा। इसे लेकर छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन होने के बाद पात्र हितग्राही को 15 दिन के भीतर कनेक्शन आबंटति किया जाए। इसके लिए सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने दीपावली के पूर्व लोगों को उपहार देते हुए पीएमयूवाय अंतर्गत 25 लाख नवीन उज्जवला गैस कनेक्शन प्रदान करने हेतु प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। छत्तीसगढ़ में 2 लाख 23 हजार नवीन घरेलू एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने हेतु लक्ष्य प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस योजना के तहत् नवीन कनेक्शन दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री साय के निर्देशानुसार नवीन उज्जवला गैस कनेक्शन के लिए छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

सभी जिलों में उज्जवला समिति का होगा गठन

विभाग द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देश अनुसार सभी जिलो में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला उज्जवला समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति द्वारा जिले में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के क्रियान्वयन एवं प्राप्त आवेदनों की समय-सीमा में निराकरण हेतु नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। योजनांतर्गत पात्र परिवारों से नवीन गैस कनेक्शन हेतु आगामी 07 दिनों में आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। जिले की गैस एजेंसियों द्वारा प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण एवं सत्यापन कराकर 15 दिनों में नवीन गैस कनेक्शन जारी करने की कार्यवाही की जाएगी।

नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत हितग्राहियों को दी जाएगी प्राथमिकता

नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत आने वाले बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा जिलों में सर्वप्रथम हितग्राहियों को चिन्हांकित कर इन ग्रामों को विशेष प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत चिन्हांकित हितग्राहियों को उज्जवला गैस योजना के कनेक्शन दिए जाएंगे। पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाये जाने हेतु ऑयल कंपनियों के साथ समन्वय करते हुए सुगम नेटवर्क कनेक्टीविटी वाले क्षेत्रों का चयन कर विशेष शिविर आयोजित किये जाएंगे। योजनांतर्गत गैस कनेक्शन प्राप्ति हेतु शेष सभी 34 हजार 425 परिवारों के आवेदन चिन्हांकित ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कर लिए जाएंगे। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों के ई-केवाईसी के लिये कनेक्टीविटी वाले क्षेत्रों का चयन कर विशेष शिविर द्वारा उन्हें लाभांवित किया जायेगा।

योजना के तहत नए कनेक्शन के लिए यह होगा मापदंड

पीएमयूवाय के अंतर्गत नवीन गैस कनेक्शन हेतु पात्रता के लिए मापदंड निर्धारित किए गए हैं। जिसके अनुसार यदि परिवार का कोई भी सदस्य 10 हजार रूपए प्रति माह से अधिक कमाता हो, घर का कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी हो, सरकार के पास पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम वाले परिवारों को शामिल नहीं किया गया है। इसी प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड की 50 हजार रूपए से अधिक की क्रेडिट सीमा वाले किसान, सिंचाई उपकरण के साथ 2.5 एकड़ से अधिक सिंचित भूमि के स्वामी, दो या अधिक फसल मौसमों के लिए 5 एकड़ या अधिक सिंचित भूमि के स्वामी, कम से कम 7.5 एकड़ या इससे अधिक भूमि का स्वामी जिनके पास कम से कम एक सिंचाई उपकरण हो, 30 वर्ग मीटर से अधिक कार्पेट क्षेत्र वाले मकान के स्वामी, स्वयं की मोटर चालित तीन या चार पहिया वाहन अथवा मछली पकड़ने वाली नाव अथवा यंत्रीकृत तीन या चार पहिया कृषि उपकरण के मालिक एवं ऐसे परिवार जिनके पास पूर्व से ही एलपीजी कनेक्शन हों योजनांतर्गत लाभ पाने हेतु अपात्र होंगे।

जिला स्तरीय उज्जवला समिति के कलेक्टर होंगे अध्यक्ष

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों में से कम से कम 05 प्रतिशत आवेदनों का सत्यापन एवं परीक्षण जिला उज्जवला समिति द्वारा किया जाएगा। इस हेतु जिले के सभी गैस एजेंसियों की बैठक कर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के नवीन गैस कनेक्शन जारी करने हेतु जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला स्तरीय उज्जवला समिति में अध्यक्ष, जिला कलेक्टर या उनके द्वारा अधिकृत कोई वरिष्ठ अधिकारी होंगे तथा समन्वयक सदस्य के रूप में जिला नोडल अधिकारी होंगे जो तेल विपणन कंपनी से होंगे। दो सदस्य अन्य दो तेल विपणन कंपनियों के अधिकारी होंगे। जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी एवं दो गैर-आधिकारिक सदस्य भी समिति में सदस्य होंगे।

सूरजपुर में जुआ रेड के दौरान युवक की मौत, पुलिस से बचने भागा युवक, कुएं में गिरने से गई जान

■ **गुस्साए लोगों ने थाने में किया हंगामा और तोड़फोड़, थाना प्रभारी के सिर पर आई चोट**

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में जुअ रेड के दौरान युवक की मौत हो गई। दरअसल पुलिस की टीम जुआरियों को पकड़ने के लिए पहुंची तो बचने के लिए सभी भागे। इस दौरान एक युवक कुएं में गिर गया और इसके कारण उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीण काफी आक्रोशित हो गए। लोगों ने न सिर्फ पुलिस कार्रवाई का विरोध किया बल्कि थाने में जमकर बवाल किया। इस दौरान थाना प्रभारी को भी चोटें आई हैं।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरी घटना जिले के जयनगर थाना क्षेत्र की है। दिवाली पर जुआरियों पर रेड के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चला रखा है। इस दौरान जयनगर थाने की पुलिस टीम रविवार की शाम कुंजनगर में बड़े स्तर पर जुआ खेले जाने की सूचना पर कार्रवाई के लिए पहुंची थी। पुलिस टीम को देखकर जुआ खेल रहे ग्रामीण और मौके पर मौजूद अन्य लोग भागने लगे। इस दौरान एक युवक कुएं में गिर गया। रात का अंधेरा होने के कारण कुछ पता नहीं पाया लेकिन बाद में जब युवक की तलाश की गई तो वह कुएं में डूबा हुआ मिला। किसी तरह ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला।

मृतक युवक की पहचान बाबूलाल के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि बाबूलाल घर का इकलौता बेटा था। पुलिस छापेमारी के दौरान डर की वजह से वह भागा और कुएं में गिर गया, लेकिन पुलिस ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। बाबूलाल की मौत से नाराज ग्रामीणों ने जयनगर थाने के बाहर उग्र प्रदर्शन किया। देखते ही देखते भीड़ ने थाने परिसर में जमकर तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान पुलिस कर्मियों को भी चोट आई है। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे को करीब पांच घंटे तक जाम रखा, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कई बार अपील की, लेकिन जब भीड़ नहीं मानी और पत्थरबाजी शुरू कर दी, तब पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना में कई ग्रामीण घायल हो गए, वहीं ग्रामीणों की पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए। घायलों का उपचार अस्पताल में जारी है। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही के कारण युवक की जान गई है और दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीएम ने गोवा में जवानों संग मनाई दिवाली, सेनाओं को सराहा बोले INS विक्रांत के नाम से पाकिस्तान की नींद उड़ गई थी

नई दिल्ली ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिवाली गोवा तट पर भारतीय नौसेना के जवानों के साथ मनाने पहुंचे। सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाने की परंपरा को जारी रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारवार के तट पर आईएनएस विक्रांत का दौरा किया। इस दौरान पीएम मोदी ने जवानों को भी संबोधित किया। बता दें कि 2014 से प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद से पीएम मोदी लगातार सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाते रहे हैं।

आईएनएस विक्रांत से नौ सैनिकों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन अद्भुत है। ये दृश्य अविस्मरणीय है। आज मेरे पास एक तरफ समंदर है, तो दूसरी तरफ मां भारती के वीर जवानों की ताकत है। आज एक तरफ मेरे पास अनंत क्षितिज...अनंत आकाश है और दूसरी तरफ अनंत शक्तियों का प्रतीक यह विशालकाय आईएनएस विक्रांत है। समुद्र के जल पर सूर्य की किरणों की चमक, वीर सैनिकों द्वारा जलाए गए दिवाली के दीयों के समान है। पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएस विक्रांत आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है।

सैन्य कर्मियों की प्रधानमंत्री मोदी न की तारीफ

पीएम मोदी ने संबोधन में कहा, मैं सैन्य साजो-सामान की ताकत देख रहा था। ये विशाल जहाज, हवा से भी तेज चलने वाले विमान, ये पनडुब्बियां...ये अपने आप में प्रभावशाली हैं, लेकिन इन्हें चलाने वालों का साहस ही इन्हें असली ताकतवर बनाता है। ये जहाज भले ही लोहे के बने हों, लेकिन जब आप इन पर सवार होते हैं, तो ये सशस्त्र सेनाओं की जीवंत, सांस लेती हुई शक्ति बन जाते हैं। मैं कल से आपके

साथ हूं। हर पल मैंने कुछ न कुछ सीखा है। जब मैं दिल्ली से निकला था, तो सोचा था कि मैं इस पल को खुद जीऊंगा। लेकिन आपकी मेहनत, तपस्या और समर्पण इतने ऊंचे स्तर पर है कि मैं इसे सही मायने में जी नहीं पाया। हालांकि, मुझे इसकी समझ जरूर मिली। मैं बस कल्पना कर सकता हूं कि इस जीवन को सही मायने में जीना कितना मुश्किल होगा।

नेशनल हाइवे पर झाड़ियों में मिली युवक की लाश

■ **30 मीटर दूर पड़ी थी बाइक, हादसे से मौत की आशंका**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में एक युवक की लाश नेशनल हाईवे किनारे झाड़ियों में मिली है। शव से करीब 30 मीटर दूर युवक की बाइक क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी थी, जिसे देखकर आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात वाहन ने उसे ठोकर मार दिया होगा, जिससे युवक बाइक से गिरकर दूर झाड़ियों के बीच गिरा होगा। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र की है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक की लाश बिलासपुर-मस्तूरी नेशनल हाईवे किनारे झाड़ियों पर पड़ी है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मौका मुआयना किया। तब कुछ दूर पर युवक की बाइक क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी थी।

पुलिस के अनुसार, नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से हादसा हुआ होगा। आशंका है कि हादसे में युवक बाइक से उछलकर दूर जा गिरा और उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चूरी में रखा गया है। फिलहाल, उसकी पहचान नहीं हो पाई है। बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर युवक की पहचान की जा रही है।

बहुत सारे राज खोलती है चिल्ला की परम्परा

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

पंजाब में मोहाली के निकट एक गांव है चिल्ला। गांव के सभी लोग शिक्षित हैं। यहां दो उच्च श्रेणी के विज्ञान शिक्षण संस्थान भी हैं। यहां के कई लोग विदेशों में बसे हुए हैं। गांव में एक अनोखी परम्परा है। यह गांव दिवाली के एक दिन बाद त्यौहार मनाता है। अर्थात जिस दिन पूरे देश में दिवाली होती है, यहां के लोग उसके दूसरे दिन दिवाली मनाते हैं। इसकी वजह भी कम रोचक नहीं। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि लगभग 200 साल पहले दिवाली के दिन गांव की कई भैंसें खो गईं। गांव के सभी लोग भैंसों को ढूंढने निकल पड़े। यह उनकी आजीविका का श्रोत तो थीं ही, उनसे परिवार जैसा ही जुड़ाव भी था। इस तरह दिवाली का पूरा दिन भैंस ढूंढने में निकल गया। जब सभी भैंसें अपने-अपने तबेले में सुरक्षित पहुंच गईं तब जाकर दूसरे दिन यहां दिवाली का पर्व बड़े धूम-धाम से मनाया गया। तब से लेकर आज तक इस गांव में दिवाली दूसरे दिन ही मनाई जाती है। वह घटना और यह परम्परा पर्वों और त्यौहारों को लेकर कई राज खोलती है। देश के कई हिस्सों में होली-दिवाली को अलग-अलग ढंग से और अलग-अलग दिनों में मनाया जाता है। इन सभी परम्पराओं के पीछे कोई न कोई घटना भी छिपी हुई है। स्पष्ट है कि परम्पराएं वक्त के साथ बदलती हैं। कुछ नई जुड़ती हैं तो कुछ पुरानी हट जाती हैं। इनका किसी पौराणिक घटना से संबंध होना भी जरूरी नहीं है। कभी देश में स्वयंवर हुआ करते थे। दांपत्य जीवन के साथी का चुनाव कन्या पर निर्भर करता था। वर बनने की इच्छा लिये पुरुष वहां इकट्ठा होते थे। कभी-कभी उनके बीच प्रतियोगिता भी होती थी। कहीं-कहीं इनमें द्वंद्व युद्ध भी होता था। जो जीतता, कन्या उसे ही वरमाला पहनाती। बस्तर के आदिवासियों में घोटुल की परम्परा रही है। पति-पत्नी चयन का इससे सुन्दर कोई तरीका नहीं हो सकता था। यह भी एक तरह का लिव-इन सिस्टम था। पर समय के साथ वह ध्वस्त हो गया। नया दौर इंटरनेट और सोशल मीडिया पर वर-वधु की तलाश का है। इसलिए जब कोई कहता है कि वह सनातन परम्पराओं का पालन कर रहा है या सनातनी है तो उसपर यकीन करना कठिन हो जाता है। क्या वह भारत की उन प्राचीन परम्पराओं को आत्मसात कर सकता है जहां प्रभु श्रीराम शबरी के जूठे बेर खाते हैं। वानरों को गले लगाते हैं और उन्हें अपने भाई का दर्जा देते हैं। जहां रानियां संतान प्राप्त करने के लिए कैसा भी उपाय करने के लिए स्वतंत्र थीं। क्या पिता के आदेश का पालन करने के लिए आप वनवास जाएंगे? राजपाट मिलने के बाद भी संन्यासी का जीवन जी सकेंगे? पिता के आदेश पर अपनी माता की हत्या कर सकेंगे? आज कितने घरों में पहली रोटी गाय की निकाली जाती होगी? जाहिर है कि यह धर्मभीरू जनता को बरगलाने का एक नया शिगूफा मात्र है।

संपादकीय

दूसरे सोच नहीं पाए, शाह ने करके दिखाया

राजनीति में नेता तो बहुत होते हैं,बहुत नेता काम करने वाले भी होते हैं लेकिन ऐसे नेता बहुत कम होते हैं जो वह काम भी करके दिखा देते हैं जिसको दूसरे नेता असंभव मानते थे, यानी मानते थे ऐसा तो हो ही नहीं सकता, ऐसा तो कोई कर नहीं सकता। पीएम मोदी,अमित शाह व योगी आदित्यनाथ ऐसे ही नेता है। ये तीनों नेता ऐसा सोचते ही नही है कि कोई काम नहीं किया जा सकता। जो भी काम करना होता है, वह सोचते है, इस काम को किया जा सकता है, जब कोई यह सोच लेता है कि काम को करना ही है तो वह भी सोच लेता है कि इस काम को कैसे किया जा सकता है।

उसके लिए योजना बनाता है। योजना पर गंभीरता से अमल किया जाता है। जब नेता किसी काम के प्रति गंभीर होता है तो उसकी पूरी टीम भी काम के प्रति गंभीर होती है और ऐसी टीम ही वह काम करके दिखाती है जिसे पहले असंभव माना जाता था। देश में एक से एक बड़े नेता मोदी के पहले हुए हैं लेकिन बहुत से काम जो मोदी ने किए वह भी कर सकते थे लेकिन वह नही कर सके। मोदी चाहे धारा-370 हटाना हो, राममंदिर बनाना हो, तीन तलाक हो,नया संसद भवन बनाना हो, सबसे बड़ी पटेल की मूर्ति बनाना हो, सबसे बड़ा स्टेडियम बनाना हो, सबसे ऊंचा पुल बनाना हो, भारत मंडपम बनाना हो, जीएसटी लागू करना हो, वक्फ संशोधन कानून लागू करना हो।

तीन बार लोकसभा का चुनाव जीतना हो, मोदी ने सब करके दिखाया है। इसके बाद यूपी के सीएम आदित्यनाथ योगी ऐसे नेता है जो कहते हैं, वह करके दिखाते भी हैं। उन्होंने कहा माफिया को मिट्टी में मिला देंगे, माफिया को मिट्टी में मिलाकर दिखाया भी। कानून व्यवस्था को सुधार कर दिखाएंगे, सुधार कर दिखाया भी। कभी यूपी बीमारु राज्य माना जाता था आज यूपी को योगी ने तेजी से विकास करता हुआ राज्य हैं। यूपी में एक बार चुनाव जीतने के बाद दूसरी बार चुनाव जीतना मुश्किल माना जाता है, योगी ने यूपी में दूसरी बार चुनाव जीतकर दिखाया है।

तीसरे नेता अमित शाह, वह भी जो काम उनको मोदी ने सौंपा, वह काम उन्होंने करके दिखा दिया है। मोदी ने उनको यूपी में भाजपा को जिताने का पहला काम सौंपा तो तब यूपी में अकेले दम पर भाजपा की जीत का कोई भाजपा नेता सपना नहीं देखता था। अमित शाह ने यह असंभव समझा जाने वाला काम करके दिखाया जिस यूपी में अकेले किसी दल की सरकार बनना मुश्किल माना जाता था। अमित शाह ने लंबे समय बाद यूपी में भाजपा की बहुमत वाली सरकार बनाकर दिखाया। क्योंकि तब सपा व बसपा मजबूत राजनीतिक दल थे और भाजपा व कांग्रेस तीसरे चौथे नंबर के राजनीतिक दल हुआ करते थे। यह अमित शाह का चमत्कार जैसा था।

इसके बाद अमित शाह गृहमंत्री बने तो पहले आतंकवाद की समस्या का समाधान किया। उसके बाद उन्होंने देश से नक्सलवाद का सफाया करने का फैसला किया और छत्तीसगढ़ में साय सरकार बनने के बाद नक्सलियों के सफाए के लिए तारीख 31 मार्च 2026 पहले तय कर दी। उन्होंने खुद ही यह लक्ष्य पहले से तय कर दिया कि इस तारीख तक देश व बस्तर से नक्सली समस्या का समाधान कर देना है। अमित शाह के पहले किसी नेता ने नक्सलियों के सफाए की सोची नहीं, अमित शाह ने सोचा भी और योजना भी बनाई कि नक्सलियों का बस्तर से सफाया कैसे हो सकता है। उस पर गंभीरता से अमल भी करवाया। अमित शाह एक बात सबसे पहले समझने मे सफल रहे कि नक्सलियों का सफाया करना है तो बस्तर में सुरक्षा बलों के जवानो की संख्या नक्सलियों से ज्यादा होनी चाहिए। तब ही सुरक्षा बल नक्सलियों का मुकाबला कर पाएंगे, उनको घेर कर मार पाएंगे। पहले नक्सली सुरक्षा बलों को घेरकर मारते थे,अमित शाह की योजना का परिणाम था कि अब सुरक्षा बल नक्सलियों को घेरकर मारने लगे। बड़े से बड़े नेता को इसी तरह मारा गया। इससे नक्सलियों में पहली बार मारे जाने का खौफ पैदा हुआ और इसी वजह से नक्सलियों में सरेंडर करने की लहर पैदा हुई और कभी सौ तो कभी दो सौ से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

नक्सलियों के सरेंडर व सफाए मे साय सरकार की भी बड़ी भूमिका रही है, साय सरकार जानती थी कि नक्सलियों के सफाए के लिए मारने से ज्यादा जरूरी सरेंडर करवाना है, इसके लिए साय सरकार ने नक्सलियों के पुनर्वास की बेहतर योजना बनाई। इसके बाद दो टूक कह दिया गया कि कोई शांति वार्ता नहीं होगी, या तो सरेंडर करो या मारे जाओ। इस वजह से जितने नक्सली मारे गए उससे ज्यादा ने सरेंडर किया है। बीते 22 महीनों में 477 नक्सली मारे गए हैं, 2110 ने सरेंडर किया है तथा 1785 गिरफ्तार किए गए हैं। लगभग दो साल में बस्तर में नक्सलियों की संख्या ढाई हजार ज्यादा कम करने में अमित शाह व साय सरकार सफल रहे हैं। अबुझमाड़ व उत्तर बस्तर नक्सलमुक्त हो गया है, अमित शाह व साय सरकार की बड़ी सफलता है।

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन

मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। माओवाद का अंत गृहंमत्री अमित शाह के संकल्प व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मन्त्र से ही संभव हो सका है।

आज छत्तीसगढ़ के नक्सवलादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि, माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें। इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ में एक साथ 210 माओवादियों ने समर्पण किया है।

उधर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास कि राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था।

महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है।

जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमपर्ण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है।

वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। यह लोग नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कारिडोर बनाने का सपना देख रहे थे। यह लोग भारत, भारत के संविधान और भारत कि सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं। इनको सशक्त राष्ट्र नहीं चाहिए।

वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़ चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नाराणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं।

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था। अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलों इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है। कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जिससे वहां की जनता दोबारा माओवादियों के दुष्प्रचार में न फंसे। माओवाद के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत उनकी फंडिग को रोकने का काम भी किया जा है।

जैसे-जैसे माओवाद के सफाए का अभियान आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे उसके समर्थक राजनैतिक तत्वों के पेट मे दर्द भी उठ रहा है। माओवाद के समर्थन से फल फूल रहे वामपंथी दलो ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बंद करने की अपील तक कर दी। तेलंगना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तो एक कार्यक्रम में कह दिया कि, माओवाद एक विचारधारा है जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर भी माओवादी विचारधारा के समर्थकभी यही बात कह रहे हैं कि यह विचारधारा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती। माओवाद एक जहरीली, खतरनाक और नरसंहार का समर्थन करने वाली विचारधारा है जिसका अंत करने के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सुरक्षा बल आक्रामक भी हैं और समर्पण करने वालों का स्वागत भी कर रहे हैं। पुनर्वास और पुनर्जीवन का प्रयास कर रही है। विकास को हर द्वार तक ले जा रही है जिससे आम व्यक्ति नक्सल के लाल आतंक के भय को भूल कर आगे बढ़ सके।

नरक चतुर्दशी पर दीपदान से होता है आध्यात्मिक जागरण

प्रज्ञा पांडेय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नरक चतुर्दशी पर स्नान करने से सभी पाप मिट जाते हैं और शरीर व मन शुद्ध होते हैं। इस दिन यमराज के लिए दीपदान करना बहुत शुभ माना जाता है। शाम के समय 14 दीए जलाने की परंपरा है।

दीवाली से पहले छोटी दीवाली आती है, इसे नरक चतुर्दशी और रूप चौदस भी कहा जाता है। साथ ही कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी तिथि को नरक चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है। नरक चतुर्दशी पर सुबह के मुहूर्त में अभ्यंग स्नान करने का विधान है, इस दिन स्नान व दीपदान से पाप मिटते हैं और सौभाग्य बढ़ता है तो आइए हम आपको नरक चतुर्दशी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें नरक चतुर्दशी के बारे में

दीवाली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र और शुभ तिथि माना गया है। इसे रूप चौदस या छोटी दीवाली भी कहा जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध किया था और उसके बंधन में फंसी 16 हजार महिलाओं को मुक्त कराया था। इस साल नरक चतुर्दशी 19 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इसी कारण यह दिन अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है।

नरक चतुर्दशी का शुभ मुहूर्त

हिन्दू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट से शुरू होगी और 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। इस आधार पर नरक चतुर्दशी का पर्व 19 अक्टूबर (रविवार) को मनाया जाएगा, जबकि अभ्यंग स्नान का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर (सोमवार) की सुबह रहेगा।

नरक चतुर्दशी का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नरक चतुर्दशी पर स्नान करने से सभी पाप मिट जाते हैं और शरीर व मन शुद्ध होते हैं। इस दिन यमराज के लिए दीपदान करना बहुत शुभ माना जाता है। शाम के समय 14 दीए जलाने की परंपरा है। इनमें से एक सरसों के तेल का दीपक यमराज के नाम से जलाया जाता है, जबकि बाकी 13 दीपक घी के होते हैं। इससे अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है। नरक चतुर्दशी पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि और मानसिक शांति आती है। यह दिन न केवल शारीरिक शुद्धि का प्रतीक है बल्कि आध्यात्मिक जागरण का भी अवसर देता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में मनायी जाएगी नरक चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बना हुआ है। सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए कार्य सफल होते हैं और यह एक शुभ योग है। नरक चतुर्दशी पर अमृत सिद्धि योग शाम को 5 बजकर 49 मिनट से अगले दिन 20 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 25 मिनट तक है। उस दिन इंद्र योग भी प्रात:काल से लेकर देर रात 02:05 ए एम तक है। उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र प्रात:काल से लेकर शाम 05 बजकर 49 मिनट तक है, उसके बाद से हस्त नक्षत्र है।

चौमुखी दीया जलाएं, मिलेगा लाभ

पंडितों के अनुसार नरक चतुर्दशी की रात मिट्टी का चौमुखी दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना गया है। इसमें सरसों का तेल डालकर चार दिशाओं की ओर चार बत्तियां लगाई जाती हैं। इस दीपक को 'यम दीप' कहा जाता है, जो मृत्यु के देवता यमराज को समर्पित होता है। इसे घर के मुख्य द्वार के बाहर दक्षिण दिशा की ओर रखकर जलाया जाता है।

दीपक जलाते समय करें इन मंत्रों का जाप

मृत्युना पाशदण्डाभ्यां कालेन च मया सह, या त्रयोदश्यां दीपदानात् सूर्यज: प्रीयतामिति॥ धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर के सबसे वरिष्ठ सदस्य को यह दीपक जलाना चाहिए और जलाने के बाद दीपक को पलटकर नहीं देखना चाहिए। उस उपाय से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है और घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहता है।

करें मां काली की पूजा

नरक चतुर्दशी को काली चौदस भी कहा जाता है। इस दिन मां काली की पूजा करने से व्यक्ति को नकारात्मक ऊर्जा, भय और संकटों से मुक्ति मिलती है। पूजा के समय लाल गुड़हल के फूल अर्पित करें और क्रीं कालिकायै नम: मंत्र का जप करें। यह साधना शत्रु नाश और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्ति का माध्यम मानी जाती है।

करें ये अचूक उपाय

1. दीपक- एक मिट्टी का चौमुखी दीपक लें। इसमें सरसों का तेल भरें और चार अलग-अलग दिशाओं की ओर मुख करके चार बत्तियां लगाएं।

2. सही समय पर जलाएं दीपक - यह दीपक शाम या रात के समय जलाया जाता है, जब घर के सभी सदस्य भोजन करके सोने की तैयारी कर रहे हों।

3.दीपदान की दिशा का भी है महत्व- दीपक को घर के बाहर मुख्य द्वार के पास दक्षिण दिशा की ओर मुख करके रखें। दक्षिण दिशा यमराज की मानी जाती है।

4.करें ये काम, मिलेगा लाभ- यह 'यम दीपक' घर का सबसे बड़ा सदस्य ही जलाता है। दीपक को रखने के बाद उसे पलटकर नहीं देखना चाहिए और घर के अंदर के सदस्यों को बाहर आकर उसे देखना नहीं चाहिए।

नरक चतुर्दशी से जुड़ी पौराणिक कथा

भगवान राम के प्रिय भक्त हनुमान जी को तो हर कोई जानता है। जब हनुमान सिर्फ एक शिशु थे, तो उन्होंने सूर्य को देखा और इसे एक अद्भुत फल समझकर इसे निगल लिया, जिससे पूरी दुनिया घोर अंधकार में डूब गई। काली चौदस के दिन सभी देवी-देवताओं ने हनुमान से सूर्य को मुक्त करने के लिए विनती की, लेकिन हनुमान नहीं माने, इसलिए भगवान इंद्र ने अपने वज्र से उन पर प्रहार किया, जो हनुमान के मुंह पर लगा और सूर्य निकल आया और फिर वहां दुनिया में फिर से प्रकाश था।

एक अन्य कथा के अनुसार राजा बलि सबसे उदार राजाओं में से एक थे और उन्होंने इसके लिए बहुत प्रसिद्धि प्राप्त की, लेकिन प्रसिद्धि उनके सिर चढ़ गई और वह बहुत अहंकारी हो गए। उसने अपने पास भिक्षा के लिए आने वाले लोगों का अपमान और अपमान करना शुरू कर दिया, इसलिए भगवान विष्णु ने उसे सबक सिखाने का फैसला किया और वामन अवतार में एक बौने के रूप में आए। जब बलि ने उससे कहा कि वह जो चाहे मांग ले तो भगवान वामन ने उसके तीन पग के बराबर भूमि मांगी। यहोवा ने पहले पग से सारी पृथ्वी को, और दूसरे पग से सारे आकाश को नाप लिया। फिर उसने बाली से पूछा कि वह अपना तीसरा कदम कहां रखे। एक विनम्र बाली ने झुककर भगवान से अपना अंतिम कदम उसके सिर पर रखने का अनुरोध किया, जिससे उसे मोक्ष प्राप्त हुआ। इसलिए इस दिन लालच को भगाने के लिए काली चौदस मनाई जाती है।

अभ्यंग स्नान का महत्व

पंडितों के अनुसार पांच दिनों तक चलने वाला दीवाली उत्सव धनत्रयोदशी के दिन शुरू होता है और भाई दूज पर समाप्त होता है। दीवाली के दौरान तीन दिन यानी चतुर्दशी, अमावस्या और प्रतिपदा के दिनों में अभ्यंग स्नान का सुझाव दिया गया है। नरक चतुर्दशी पर अभ्यंग स्नान सबसे महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि जो लोग इस दिन अभ्यंग स्नान करते हैं वे नरक जाने से बच सकते हैं। अभ्यंग स्नान के समय उबटन के लिए तिल के तेल का प्रयोग करना चाहिए।

नरक चतुर्दशी के दिन ये करें, मिलेगा लाभ

काली चौदस की विधि के अनुसार घी और शक्कर के साथ तिल, लड्डू और चावल का प्रसाद चढ़ाएं। पूरे दिन और विशेष रूप से मुहूर्त के दौरान देवी काली को समर्पित भक्ति गीत गाएं। काली चौदस के दिन नहाते समय सिर धोएं और आंखों में काजल लगाएं, इससे नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माएं दूर होती हैं।

नरक चतुर्दशी पर ये न करें

लाल कपड़े से ढके बर्तन, चौराहे पर रखे कुछ फल या काली गुड़िया पर कदम रखने या पार करने से सख्ती से बचें।

इसलिए बिहार जरूरी है नरेंद्र भाई के लिए

पंकज शर्मा

2026 में होने वाले पांच प्रदेशों के चुनाव नतीजों का 2027 में होने वाले छह राज्यों पर इसलिए चक्रवृद्धि ब्याज जैसा असर पड़ेगा कि तब फरवरी के मध्य से साल के अंत तक गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोआ में चुनाव होंगे। दिसंबर में गुजरात के चुनाव आने से पहले साल की पहली छमाही में ही बाकी पांच राज्यों के चुनाव निपट चुके होंगे और इन में से तीन के परिणाम गुजरात का भविष्य भी लिखने का काम करेंगे।

तक़रीबन एक महीने बाद नवंबर में बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाने के बाद, 2029 में अगले लोकसभा चुनाव होने तक, देश के 21 प्रदेशों में विधानसभा के चुनाव होंगे और 4 राज्य ऐसे होंगे, जिन की विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा-चुनाव के साथ कराए जाएंगे। यानी कुल 25 राज्य चुनावों में जाएंगे। बिहार के इस चुनाव से सामने आने वाली प्रतिपक्ष की स्थिति 2028 के आखीर तक होने वाले 21 प्रदेश-चुनावों के नतीजों की शक्ल को आकार देगी। इन के चुनाव परिणाम तय करेंगे कि 2029 की लोकसभा में मौजूदा विपक्ष किस हालत में होगा। बिहार में अगले महीने अगर भारतीय जनता पार्टी और यूनाइटेड जनता दल सत्ता से बाहर हो गया और राष्ट्रीय जनता दल के साथ कांग्रेस की सरकार बन गई तो भारतीय राजनीति के भावी आसमान का रंग क्या होगा? और, अगर ऐसा नहीं हुआ तो सियासत के राष्ट्रव्यापी फलक पर कौन-सी इबारत लिखी होगी? इस उधेड़बुन से बाहर आने का रास्ता इसलिए आसान नहीं है कि बिहार की ख्याति भले ही देश की राजनीति को नया मोड़ देने वाले प्रदेश की रही है, मगर अब वह खुद ही गड्डमड्ड और दिग्भ्रम में गोता खाता दिखाई देने लगा है।

बिहार-चुनाव के बाद अगले साल 2026 में पांच प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव होंगे। अप्रैल के मध्य से ले कर जून की शुरुआत तक पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुदुचेरी मत-कुरुक्षेत्र में जाएंगे। दक्षिण के राज्यों पर बिहार में एनडीए की हार-जीत का कोई असर पड़े-न-पड़े, पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव नतीजों पर इस का सीधा असर दिखाई देगा। बिहार अगर एनडीए की झोली में बरकरार रहता है तो पश्चिम बंगाल की विधानसभा में भाजपा की मौजूदा 65 सीटों में खासा उछाल आने के आसार बढ़ जाएंगे। लेकिन बिहार अगर उस के दामन से छिटक जाता है तो बंगाल में उस की सीटें आधी हो जाने का खतरा सामने है। असम में भी भाजपा और उस के सहयोगी दलों के गुलाबीपन पर बिहार के नतीजे बेतरह असर डालेंगे। असम में अभी भाजपा की 64 और सहयोगी दलों की 19 सीटें हैं। बिहार में भाजपा-जदयू की जीत इस बहुमत को कमोबेश बरकरार रख सकती है, लेकिन बिहार की हार असम में भाजपा के सहयोगी दलों का करीब-करीब सफाया ही कर देगी और भाजपा की सीटें भी 50 के आसपास सिमटने की आशंका सामने खड़ी हो जाएगी।

तमिलनाडु, केरल ओर पुदुचेरी के चुनावों पर बिहार के परिणामों का प्रत्यक्ष असर भले ही दिखाई न दे, मगर परोक्ष प्रभाव की हिलोरें तो अगले साल वहां भी देखने को मिलेंगी। तमिलनाडु में भाजपा के अभी भले ही सिर्फ चार विधायक हैं, मगर यह भूलना ठीक नहीं होगा कि एनडीए समूह के पास 234 के सदन में 74 सीटें हैं। भाजपा पिछले कुछ वर्षों से तमिलनाडु पर खास ध्यान दे रही है। केरल में भाजपा-एनडीए कहीं नहीं हैं, लेकिन पुदुचेरी में तो एनडीए की सरकार है। वहां भाजपा के अपने 6 विधायक भी हैं। 33 सदस्यों वाली पुदुचेरी विधानसभा का पेंडुलम बिहार के परिणामों से अपनी ताल मिलाएगा। 2026 में होने वाले पांच प्रदेशों के चुनाव नतीजों का 2027 में होने वाले छह राज्यों पर इसलिए चक्रवृद्धि ब्याज जैसा असर पड़ेगा कि तब फरवरी के मध्य से साल के अंत तक गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोआ में चुनाव होंगे। दिसंबर में गुजरात के चुनाव आने से पहले साल की पहली छमाही में ही बाकी पांच राज्यों के चुनाव निपट चुके होंगे और इन में से तीन के परिणाम गुजरात का भविष्य भी लिखने का काम करेंगे।

बिहार में अगर भाजपा-जदयू जख़्मी हो गए तो निश्चित मानिए कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा में भाजपा 258 सदस्य ले कर तो किसी भी कीमत पर नहीं लौट पाएगी। उस के विधायकों की तादाद अगर आनुपातिक तौर पर घटी तो डेढ़ सौ के आसपास रह जाएगी। ऐसे में समाजवादी पार्टी पौने दो सौ के करीब पहुंच जाएगी। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश में अभी महज दो विधायक हैं, लेकिन बिहार में अगर प्रतिपक्ष की लहर चल पड़ी तो कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश के आसमान में भी आस के बादल पहले से तो ज़्यादा पानीदार हो ही जाएंगे। बिहार अगर जस-का-तस रहा या भाजपा के लिए अब से भी बेहतर हो गया तो मान कर चलिए कि समाजवादी पार्टी का, जो हो, सो हो, कांग्रेस के लिए तो आगे की राह और दुर्गम हो जाएगी। उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हमराही-सा ही साबित होगा। बिहार में एनडीए की हार से अगले चुनाव में वहां कांग्रेस की सरकार बनने की संभावनाएं ठोस हो जाएंगी। सांगठनिक कुव्यवस्थाओं और कांग्रेसी नेताओं की आपसी तू-तू-मैं-मैं के बावजूद पिछली बार वहां कांग्रेस के 20 विधायक जीत कर आ गए थे तो बिहार में विपक्षी कलगी ऊंची होने पर उस की सीटें दुगनी हो जाना असंभव नहीं है।

पंजाब में भाजपा अभी नहीं के बराबर है। उस के सिर्फ दो विधायक हैं। बावजूद इस के कि आम आदमी पार्टी के 93 विधायकों का जन्म तुक्के के गर्भ से हुआ है, भाजपा के लिए पंजाब के आसार बिहार का कोई भी चुनाव परिणाम न तो उजले कर सकता है, न धुंधले। उजले होंगे तो भी उस की सीटें कितनी हो जाएंगी? दो से चार, आठ, बारह? धुंधले होंगे तो दो से नीचे कहां जाना है? हां, बिहार का नतीजा अगर प्रतिपक्ष की तरफ गया तो 2027 के पंजाब-चुनाव में कांग्रेस बड़ी भूमिका में आ जाएगी। अभी उस के 16 विधायक हैं। आम आदमी पार्टी से हताशा इस संख्या को सरकार बनाने लायक बहुमत के आसपास भी पहुंचा सकती है।

गुजरात के चुनाव उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के नतीजे आने के छह महीने बाद होंगे। सो, इन तीनों प्रदेशों के नतीजों का गुजरात पर एकदम सीधा असर पड़ेगा। घनघोर सेंधमारी की सियासत का शिकार होने के बाद वहां कांग्रेस के अब 12 विधायक ही बचे हैं। हो सकता है कि अगले चुनावों से पहले उन्हें भी भाजपा लील जाए। अगर ऐसा हुआ तो भी गुजरात में अकेली कांग्रेस ही इस स्थिति में रहेगी कि भाजपा की अभी की 162 सीटों को अपने कलाजंग दांव से पटकनी दे कर 90 की संख्या से नीचे ला फेंके। आम आदमी पार्टी के बूते की यह बात नहीं है। वह अपनी बेहतर-से-बेहतर स्थिति में भी एक दर्जन सीटों का आंकड़ा पार करने की कूवत, 2027 में तो क्या, 2037 में भी हासिल नहीं कर पाएगी। इसलिए गुजरात में भाजपा का विकल्प, जब बनेगी, कांग्रेस ही बनेगी। 2027 के जुलाई में राष्ट्रपति पद के लिए भी चुनाव होंगे। तब तक बिहार समेत 12 प्रदेशों के नए सियासी समीकरण आकार ले चुके होंगे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

चेंबर ऑफ कॉमर्स ने सजाया व्यवस्थित बाजार, पार्किंग खरीदारी में आसानी रही

भिलाई। धनतेरस और दीपावली के अवसर पर इस वर्ष दुर्ग के बाजारों में अनुशासन और सुव्यवस्था की मिसाल देखने को मिली। इसका श्रेय दुर्ग चेंबर ऑफकॉमर्स की सतत और योजनाबद्ध पहल पुलिस प्रशासन को जाता है, जिसने दीपोत्सव से लगभग एक सप्ताह पूर्व से ही पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन, नगर निगम, बाजार विभाग, ट्रैफिक पुलिस और व्यापारिक संगठनों के साथ लगातार मैराथन बैठकों का सिलसिला शुरू किया। दुर्ग चेंबर अध्यक्ष अनूप गटागट के नेतृत्व और प्रदेश उपाध्यक्ष शिव चंद्राकर, प्रहलाद रुंगटा, दिनेश टावरी, चेयरमैन किशोर जैन, बहादुर अली थरानी, सुदीप अग्रवाल, संदीप जैन, मुरली सचदेवा, जवाहर जैन, आशीष सक्सेरिया, आनंद जैन, हेमंत गोयल, मनोज अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारियों के संयुक्त प्रयासों से बाजारों की व्यवस्थाएं सुदृढ़ की गईं। सबसे पहले चेंबर ने एसएसपी विजय अग्रवाल से मुलाकात कर व्यवस्था को लेकर चर्चा की, जिसके बाद निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल, एएसपी सुखनंदन राठौर, एसडीएम अभिषेक अग्रवाल, यातायात प्रभारी भट्ट, बाजार विभाग प्रभारी चंद्रशेखर चंद्राकर, महापौर अलका वाघमार सहित नगर निगम और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकें की गईं। चेंबर की टीम ने पूरे सप्ताहभर स्थल निरीक्षण करते हुए ट्रैफिक, पार्किंग और खरीदारी व्यवस्था को सुचारू बनाया। नागरिकों की सुविधा के लिए बाजारों में पार्किंग शुल्क न लेने का निर्णय करवाया गया। वहीं, फुटकर व्यापारियों की चिल्लर की समस्या को देखते हुए चेंबर ने स्टेट बैंक ऑफइंडिया, सेक्टर-1 भिलाई के मैनेजर रूपक मंडल से सहयोग लेकर पर्याप्त सिक्कों की व्यवस्था कराई।

एनएसएस के कैडेट्स ने स्नेह संपदा के बच्चों के साथ 1100 दीये जलाए

भिलाई। दीपों का पर्व दिवाली हर किसी के जीवन में उजाला लेकर आता है, लेकिन जब इन दीपों की रोशनी किसी के चेहरे पर मुस्कान बन जाए, तो उसका अर्थ और भी गहरा हो जाता है। इसी भाव को साकार किया एनएसएस बीआईटी दुर्ग ने अपने वार्षिक दीपोत्सव आयोजन के माध्यम से। इस वर्ष यह आयोजन बौद्धिक रूप से असक्षम बच्चों की सहायता के लिए समर्पित रहा। 15 अक्टूबर को एनएसएस के स्वयंसेवकों ने स्नेह संपदा संस्था के विशेष बच्चों के साथ मिलकर 1100 दीयों को सजाया। रंग-बिरंगे रंगों, मुस्कानों और उत्साह से भरे इस पल ने पूरे परिसर को मानो दिवाली से पहले ही आलोकित कर दिया। बच्चों के हाथों में रंगों की थालियां थीं और दिलों में खुशी की लहर। हर सजे हुए दीये में बच्चों की मासूम खुशी झलक रही थी। अगले दिन यानी 16 अक्टूबर को इन दीयों को बीआईटी दुर्ग परिसर में स्टॉल लगाकर बेचा गया। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हर खरीदा गया दीया केवल मिट्टी और रंग का नहीं था।

दिवाली पर हर साल जरूरतमंदों के चेहरे पर पर खुशियां बिखेरने बांटते हैं कपड़े, मिठाइयां और पटाखे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गरीबों और जरूरतमंदों की दीपावली को खुशियों से भरने शहर के जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग के युवा दीपावली से पहले ही उनके साथ दीपावली मना रहे हैं। शहर में इन दिनों कई ऐसी संस्थाएं है जो उन लोगों के साथ दीपावली की खुशियां बांट रही हैं, जिनके पास दो वक्त की रोटी तक का जुगाड़ मुश्किल होता है। ऐसा ही पिछले एक सप्ताह से जन समर्पण सेवा संस्था ने किया। संस्था ने पिछले एक सप्ताह से शहर एवं गांव के विभिन्न आश्रम निचली बस्ती में जाकर वृद्ध जनों बच्चों को दीपावली के मौके पर नए कपड़े, पटाखे, मिठाई नमकीन बिस्किट चॉकलेट एवं अन्य सामग्री बांटी गई।

संस्था के अध्यक्ष एवं संस्थापक योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि पिछले आठ साल से गरीब बच्चों साथ खुशियों की दीपावली मनाने वाली संस्था जन समर्पण सेवा संस्था के सदस्यों ने इस बार 650 से ज्यादा बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। संस्था के सदस्यों ने न सिर्फ पूरा दिन उनके साथ बिताया, बल्कि बच्चों को उनकी जरूरतों की चीजें देने के साथ ही उनकी पसंद का नाश्ता भी कराया। कार्यकम में इन बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी। बच्चों ने हनुमान चालीसा, गौरा गोरी गीत, सुवा गीत की प्रस्तुति दी।

दीपों के त्योहार को दीपावली के नाम से अधिक जाना जाता है। फिर दीपावली जैसे त्योहारों पर हम अपने करीबी और प्यारे लोगों को कुछ नए कपड़े उपहार में देते थे। खासकर हमारे बच्चे के लिए और यह एक परंपरा है। लेकिन ऐसे कई बच्चे हैं, जो अनाथ है और एकल माता-पिता हैं जो उन्हें नए कपड़े नहीं दे सकते क्योंकि वे दूसरों के घरों में थोड़े से वेतन के साथ काम करते है या नौकरानी का काम कर रहे है, ऐसे गरीब बच्चों बुजुर्गों एवं महिलाओं को जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग ने घरों में दीपावली के दौरान नए कपड़े, फटाखे और मिष्ठान, नमकीन उपलब्ध कराने का फैसला किया है। इस वर्ष सभी के सहयोग से संस्था द्वारा लगभग 650 से अधिक बच्चे, 400 बुजुर्ग पुरुष एवं महिलाओं को नए कपड़े और दिवाली की मिठाई एवं नमकीन देने की योजना बनाई है। संस्था का यह दीपावली पर्व कमजोर बच्चों एवं कमजोर परिवार में खुशियां फैलाएगा। समाजवादी विचारधारा का जन्म ही समाज के निराश्रित एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी वह सुख सुविधाएँ पहुंचाने के लिए हुआ है, जिनसे अभी तक वह अछूता रहा है। एक सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता का एकमात्र धर्म मानवता व सेवा होता है।

इन्ही बातों को आत्मसात करते हुए जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग जोकि विगत 8 वर्ष 10 माह से बिना रुके प्रतिदिन दुर्ग रेल्वे स्टेशन एवं अन्य स्थानों में अस्थाई रुप से निवासरत मजदूर, असहाय, महिलाएं, बच्चों, विकलांग जनों को रात्रि में नि:शुल्क भोजन वितरण किया जा रहा है, इसके साथ साथ विगत 8 वर्षों से संस्था के सभी युवा सदस्य सभी पर्व एवं त्योहारों में जरूरतमंदों की हर संभव मदद करते आ रहे है। संस्था द्वारा विगत 8 वर्षों से दीपावली पर्व पर हर जरूरतमंदों तक मिठाई, नये कपड़े, फटाखे वितरण करती आ रही है, इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष संस्था द्वारा जरूरतमंदों की खुशियों की दीपावली सप्ताह मनाया जा रहा है जिसमें दिनाँक 17 अक्टुबर से 20 अक्टुबर तक प्रतिदिन अलग अलग स्थानों में जाकर बच्चे, बुजुर्गों, महिलाओं को दीपावली पर्व को धूमधाम से मनाने हेतु नये कपडे, मिठाई, नमकीन, फटाखे, साबुन, निरमा, एवं अन्य जरूरत की सामग्री वितरण की जा रही है। आज के सेवा कार्य मे पायल जैन अध्यक्ष व्यापारी महिला प्रकोष्ठ दुर्ग सँस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी मनीष साहू पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता आशीष मेश्राम प्रीति राजगढ़िया आदि है।

भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ का दीवाली पर घर-घर बांटें रोशनी और फैलाएं खुशियां अभियान जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दीपावली के अवसर पर घर-घर बांटें रोशनी और फैलाएं खुशियां अभियान के तहत भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा जरूरत मंद लोगों तक पहुंच कर दीये, तेल, बाती, खील-बताशे, मिठाई एवं हल्के पटाखे बांटने का कार्य जारी है, ताकि उनकी दीवाली भी रोशन और खुशियों से भरा रहे। धनतेरस की रात में महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने माडल टाऊन के बच्चों के संग फुलझड़ी, चकरी एवं हल्के पटाखे चलाकर खुशियां बांटी। बच्चे खुशी से नाचते एवं उछल-कूद करते नजर आए। बच्चों को हल्के एवं सुरक्षित पटाखे भी वितरित किए गए।

महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन के नेतृत्व में पदाधिकारी दिनेश कुमार गुप्ता, शिवप्रसाद साहू, दिनेश प्रसाद मिश्रा, गंगाचरण पुरोहित, चंद्रभान डिंडे, पवन जैन, पी. एन. त्रिपाठी, राजपाल सिंह राघव, ओमप्रकाश गुप्ता, हुकुमचंद देवांगन, माखनलाल टंडन, शील कुमार राघव, जगदीश राम साहू, धनीराम साहू, ओमप्रकाश साहू आदि सदस्य गण अलग अलग जगहों में जाकर जरूरत मंद लोगों को दीवाली का पैकेट भेंट किए। सदस्यों ने माडल टाऊन, जुनवानी, वैशाली नगर, कोहका, कुरूद, मदर टेरेसा नगर, भिलाईनगर रेल्वे स्टेशन के समीप श्रमिक बस्तियों आदि स्थानों पर जाकर जरूरतमंदों को पैकेट बांटे। दीवाली गिफ्ट पाकर जरूरत मंद महिला, पुरूष एवं बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

श्री महाकल्याणेश्वर शिव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यमंत्री साय को आमंत्रण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंचल में धार्मिक आस्था, श्रद्धा और विश्वास का केंद्र स्थल बन चुकी माँ कल्याणी शीतला मंदिर परिसर मरोदा टैंक रिसाली भिलाई में 3 नवंबर को आयोजित नव-निर्मित विहंगम श्री महाकल्याणेश्वर शिव मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को आमंत्रित किया गया है।

तत्संबंध में मंदिर समिति के प्रमुख संरक्षक पुन्नू यादव, अध्यक्ष शैलेंद्र शेंडे शैली, आयोजन समिति संयोजक राजूलाल नेताम व उपाध्यक्ष रमेश वर्मा ने रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में श्री साय से भेंटकर उन्हें इस ऐतिहासिक आयोजन में माई पहुना के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया।

जिसे स्वीकारते हुए मुख्यमंत्री ने उक्त समारोह में उपस्थित होने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कहते हुए समिति एवं अंचल वासियों को अपनी अग्रिम शुभकामनाएं दी। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए समिति के प्रमुख सलाहकार अरुण वर्मा, सचिव चोवा राम निषाद, पार्षद विधि यादव, उपाध्यक्ष रमेश वर्मा एवं अश्वनी बनपाल, कोषाध्यक्ष मुक्तार यादव, प्रचार सचिव सुरेंद्र शर्मा, मूलचंद वर्मा, शम्भु निषाद, पूनम सपहा, तेजराम साहू, विमलदास मानिकपुरी, माधव मांझी, प्रमोद साहू, मुकेश यादव तथा मंदिर पुजारी पंडित चंद्रशेखर मिश्रा व प्रबंधक रवींद्र किल्लोरे सहित समिति के समस्त पदाधिकारियों ने 1 नवंबर से 3 नवंबर तक आयोजित समारोह की जोर-शोर से तैयारियां प्रारंभ कर दी है। इस दौरान पूजा अनुष्ठान के साथ साथ हर दिन विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक मंचीय प्रस्तुतियों का आयोजन भी किया गया है।

बीएसपी-सीएसआर की पहल से ग्राम पुरई एवं कुगदा के विद्यालयों में निर्मित डोम शेड का हस्तांतरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में सराहनीय पहल की है। जिसके अंतर्गत ग्राम पुरई एवं कुगदा स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में डोम शेड का निर्माण आर.ई.एस. के माध्यम से कराया गया। इन शेडों को 15 एवं 16 अक्टूबर 2025 को आयोजित समारोहों में विधिवत् विद्यालय प्रबंधन को सुपुर्द किया गया।

15 अक्टूबर 2025 को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पुरई में आयोजित हस्तांतरण समारोह में विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, पालक, ग्राम सरपंच एवं उप सरपंच की उपस्थिति में विद्यालय प्रबंधन को डोम शेड का हस्तांतरण सीएसआर विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बीएसपी-सीएसआर की ओर से महाप्रबंधक शिवराजन, उप प्रबंधक के.के. वर्मा एवं बुधेलाल उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार एवं जनप्रतिनिधियों ने बीएसपी के सामाजिक उत्तरदायित्व की सराहना करते हुए कहा कि यह शेड विद्यार्थियों के लिए अध्ययन, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं सभा आयोजन के लिए एक उपयोगी सुविधा सिद्ध होगा।

ग्राम कुगदा स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में निर्मित डोम शेड का हस्तांतरण 16 अक्टूबर 2025 को किया गया। कार्यक्रम में बीएसपी की ओर से मुख्य महाप्रबंधक श्री उत्पल दत्ता, महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन, उप महाप्रबंधक (टीएसडी) आर.के. गर्ग, उप प्रबंधक (सीएसआर) के.के. वर्मा तथा बुधेलाल सहित विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं पालकों के साथ-साथ पार्षद व पालक शिक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यालयों के प्राचार्य एवं जनप्रतिनिधियों ने बीएसपी के सतत सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी सुविधाएँ ग्रामीण छात्रों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराती हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना प्रदान करना है, जिससे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं अन्य आयोजनों को भी सुगमता से संचालित किया जा सके।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेत्री सुशीला उमरे को अरुण वोरा ने दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। उमरे बाड़ा कसारीडीह निवासी श्रीमती सुशीला उमरे जी का 79 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। वे स्वर्गीय जयकुमार उमरे की पत्नी एवं डॉ. रजनीश उमरे की माता थीं। कांग्रेस पार्टी की एक वरिष्ठ, कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने लंबे समय तक संगठन में सक्रिय भूमिका निभाई। अपने सौम्य स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे दुर्ग की राजनीतिक और सामाजिक दुनिया में अत्यंत सम्मानित थीं।

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि — हमारे कांग्रेस परिवार की श्रद्धेय सदस्य श्रीमती सुशीला उमरे जी का जाना एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने स्वर्गीय मोतीलाल वोरा जी के समय से लेकर आज तक कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

उनका समर्पण, सादगी और मातृवत स्नेह हम सबको सदैव प्रेरित करता रहेगा। अरुण वोरा ने एक पुराना चुनाव प्रचार चित्र भी साझा किया, जिसमें लगभग 50 वर्ष पूर्व उनकी माताजी श्रीमती शांति देवी वोरा जी के साथ कई महिलाएँ कांग्रेस प्रचार अभियान में निकली थीं। उन्हीं में श्रीमती सुशीला उमरे जी भी सम्मिलित थीं। उन्होंने कहा कि सुशीला जी जैसी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की नींव को मज़बूती दी।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं तिमाही समीक्षा बैठक 17 अक्टूबर 2025 को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई इस्पात संयंत्र, पवन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में समस्त कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) संदीप माथुर, महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन एवं जनसंपर्क), अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन, जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) राजीव कुमार, महाप्रबंधक, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) सचिवालय, सौमिक डे तथा संयंत्र के सभी विभाग प्रमुखगण माननीय सदस्य के रूप में ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित थे।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), श्री पवन कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी में कामकाज करना आसान है, हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए राजभाषा विभाग निरंतर प्रयासरत है। विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं तथा अन्य आयोजनों के माध्यम से राजभाषा विभाग हिंदी के प्रति लोगों का अनुराग बढ़ाने व हिंदी में काम करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने लगातार प्रयारत है।

आने वाले समय में हम सभी हिंदी में कार्यालयीन कामकाज करके हिंदी के प्रति अपना प्रेम आँकड़ों में भी प्रदर्शित करें, यही समय की आवश्यकता है। अत: हम सभी हिंदी में शत-प्रतिशत कार्य-व्यवहार करने का संकल्प करें। बैठक के आरंभ में अमूल्य प्रियदर्शी ने पुस्तक भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। राजीव कुमार ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र हिंदी में समस्त कार्यालयीन कार्य करने वर्ष 1991 से अधिसूचित संस्थान है। हम हिंदी भाषी प्रदेश के निवासी हैं, अत: हमारा दायित्व है कि, हम स्वयं हिंदी में समस्त कार्यालयीन कार्य करें और साथ ही अपने सहकर्मियों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करें। सितंबर माह में आयोजित हिंदी पखवाड़ा को सफल बनाने महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्होंने सभी विभाग प्रमुखगण के प्रति आभार प्रेषित किया।

उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन - राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने विगत बैठक की कार्यसूची का अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, तत्पश्चात शत-प्रतिशत हिंदी में पत्राचार करने वाले विभागों का उल्लेख कर आगामी तिमाही की कार्यसूची का वाचन किया तथा आभार प्रदर्शन किया।

बैठक में सितंबर माह में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुनरावलोकन के पश्चात हिंदी के मूर्धन्य लेखकों एवं कवियों की कृतियों पर साहित्यिक चर्चा भी की गई।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

सामान्य सभा की बैठक 29 को, 14 प्रस्ताव पेश होंगे

रायपुर। निगम के सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने 29 अक्टूबर को सामान्य सभा की बैठक बुलाई है। बैठक प्रात: 11 बजे नगर निगम मुख्यालय भवन के सभागार में होगी। बैठक के प्रारम्भ में सामान्य सभा की पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की जाएगी। तदुपरान्त एक घण्टे का प्रश्नकाल होगा। उसके पश्चात मेयर इन काउंसिल की पिछली बैठकों में पारित 14 प्रस्तावों पर चर्चा और पारित किए जाएंगे।

वरिष्ठ भाजपा नेता छगन लाल मुदड़ा ने सादगी से मनाया जन्मदिन

रायपुर। भाजपा नेता छगन लाल मुदड़ा ने अपने खम्हारडीह स्थित अपने निज निवास में पूरे सादगी के साथ आपना जन्मदिन मनाया इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, रमेश बैस पूर्व राज्यपाल, मंत्री टकराम वर्मा, विधायक राजेश मूणत,मोतीलाल साहू, जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश ठाकुर, सीएसआईडीसी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, सहित अनेकों लोगों की उपस्थिति रही। सुबह 10.00 बजे छगन

लाल मुदड़ा द्वारा स्व. मनोज प्रजापति मित्र समूह द्वारा आज धनतेरस के दिन जगन्नाथ नगर में बच्चों को फटाके का वितरण किया गया साथ ही गौशाला मे गाउ माता को गुड़, चारा खिलाया साथ ही हनुमान चालीसा का सामुहिक पाठ भी किया गया।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई

महासमुंद। उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ द्वारा पारित अंतरिम आदेश एवं छत्तीसगढ़ शासन, खनिज साधन विभाग के निर्देशों के परिपालन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन,

परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए कठोर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम द्वारा आज ग्राम केडियाडीह (तहसील महासमुंद) स्थित महानदी तट पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रेत के अवैध उत्खनन के उद्देश्य से निर्माणाधीन रैंप पाया गया, जिसे तत्काल खनिज अमले द्वारा ध्वस्त किया गया।

खनिज अधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि रेत का अवैध उत्खनन, परिवहन या भंडारण खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत 2 से 5 वर्ष का दंडनीय अपराध है। इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर परिवाद दाखिल करने की कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दो से पाँच वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। उन्होंने आगे बताया कि जिले के सभी खनिज पट्टेदारों एवं परिवहनकर्ताओं को पूर्व में भी यह निर्देशित किया गया है कि बिना अभिवहन पास के खनिज उत्खनन, परिवहन अथवा भंडारण पूर्णत: प्रतिबंधित है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खनिज विभाग की टीम द्वारा निरंतर जांच और कार्रवाई की जाएगी ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

विक्रांत राठौर युवा कैट छत्तीसगढ़ के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

रायपुर। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतीया, राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल, राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल, राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर परवानी की अनुशंसा पर विक्रांत राठौर को युवा कैट छत्तीसगढ़ के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। वर्तमान में विक्रांत राठौर रायपुर ऑप्टिकल व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन एवं शंकर नगर व्यापारी संघ के सचिव एवं राष्ट्रीय राठौर युवा संगठन के राष्ट्रीय मंत्री के पद पर नियुक्त है।

सरस मेला 2025 : 17 राज्यों की स्व सहायता समूह की महिलाओं ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा 8 से 18 अक्टूबर 2025 तक रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 'सरस मेला 2025' का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं की उद्यमिता को एक मंच प्रदान करने का कार्य किया गया है। जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बन सकें। रायपुर में आयोजित इस सरस मेले में देशभर के 17 राज्यों के स्वसहायता समूहों की महिलाओं ने भाग लिया।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के जिलों से आए स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, हैंडलूम वस्त्र, जैविक उत्पाद, पारंपरिक व्यंजन, गृह उपयोगी सामग्री आदि उत्पादों का 200 से ज्यादा स्टॉलों के माध्यम से प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। दीवाली पर्व के मद्देनजर समूह द्वारा विशेष रूप से हस्तनिर्मित सामाग्रियों से गिफ्ट हैम्पर भी बनाए गए थे। सभी स्टालों से 10 दिनों में लगभग 60 लाख रूपए से ज्यादा की सामाग्री

का विक्रय किया गया। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागरिकों से स्वदेशी वस्तुओं को क्रय करने की अपील को बल प्रदान करता है।

स्थानीय महिलाओं द्वारा त्यौहारी सीजन में तैयार किये गए उत्पादों को बहुत अच्छा प्रतिसाद प्राप्त हुआ। स्वदेशी उत्पादों को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्राहक मेले में पहुंचे थे। सरस मेला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना, स्थायी बाजार उपलब्ध कराना और उन्हें उद्यमिता के नए अवसरों से जोड़ना रहा है। इस आयोजन ने हजारों महिलाओं को न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने का मंच दिया, बल्कि उन्हें गौरव और आत्मविश्वास के साथ समाज में खड़ा होने का अवसर भी प्रदान किया है।

त्यौहारों के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा राज्य भर में स्व सहायता समूहों के द्वारा मेले का आयोजन कर विभिन्न उत्पादों एवं गिफ्ट हैंपरों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया है। जिसमें रायपुर के अतिरिक्त राज्य के समस्त जिलों में कुल 155 स्टॉलों के माध्यम से कुल 15.55 लाख रुपए की सामग्री एवं 14.12 लाख रुपए के दिवाली गिफ्ट हैम्पर का विक्रय किया गया है। इस प्रकार सरस मेले एवं अन्य मेलों के माध्यम से बिहान की दीदीयों के द्वारा दिवाली के अवसर पर लगभग 90.00 लाख रुपए का व्यापार किया गया है।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने राज्यपाल रमेन डेका को दी दीपावली की शुभकामनाएं

रायपुर। दीपावली के पावन अवसर पर आज रायपुर (उत्तर) के विधायक पुरंदर मिश्रा ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल रमेन डेका से भेंट की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी विधायक मिश्रा का स्वागत करते हुए उन्हें दीपावली की मंगलकामनाएं दी और स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस अवसर पर दोनों ने त्योहार की महत्ता और समाज में भाईचारे, प्रेम एवं सौहार्द बनाए रखने पर चर्चा की। विधायक मिश्रा ने राज्यपाल को अपनी ओर से भी अच्छे स्वास्थ्य और लंबे जीवन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व केवल रोशनी का प्रतीक ही नहीं है बल्कि यह समाज में प्रेम, सहयोग और एकता का संदेश भी देता है।

राजभवन में यह स्नेहपूर्ण भेंट समारोह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। दीपावली के अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच आपसी सौहार्द और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के लिए ऐसे मेल-मुलाकात का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। राज्यपाल रमेन डेका ने सभी नागरिकों को दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और खुशहाली लाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहार के दौरान सुरक्षा और सामाजिक नियमों का पालन करें और अपने आसपास के लोगों के लिए सहयोग और सद्भाव बनाए रखें। इस भेंट के दौरान विधायक मिश्रा और राज्यपाल ने समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने और सभी नागरिकों के कल्याण के लिए मिलकर काम करने पर भी चर्चा की।

सिंधी काउंसिल ने किया निशुल्क दीया, रंगोली व पटाखे का वितरण, बृजमोहन हुए थे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव पर दीया, रंगोली और पटाखा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने हिस्सा लिया और आयोजन की सराहना करते हुए उपस्थित जनता को दिवाली की शुभकामनाएं दी। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले सात दिनों से सिंधी काउंसिल का यह अभियान सफलतापूर्वक चल रहा है। इस अभियान के तहत एक दीया श्रीराम के नाम के उद्देश्य से नि:शुल्क दीया, रंगोली और फटाका वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हजारों परिवारों तक यह सामग्री पहुंचाई जा चुकी है और इस प्रयास के लिए उन्होंने सिंधी काउंसिल की पूरी टीम को बधाई दी।

सांसद ने यह भी कहा कि इस पहल से न केवल लोगों में दिवाली की खुशी बढ़ी है, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना को भी बढ़ावा मिला है। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि इस वर्ष कुल दस हजार रंगोली पैकेट, एक लाख दीए और चार हजार फटाका किट अलग-अलग स्थानों पर वितरित किए गए। उन्होंने

कहा कि वितरण के दौरान बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और पुरुषों ने हृदय से धन्यवाद और आशीर्वाद दिया। सभी ने मिलकर कहा कि इस दिवाली अपने घरों को एक दीया श्रीराम के नाम पर रोशन करेंगे। कार्यक्रम संयोजक नितिन कृष्णानी ने कहा कि दिवाली के इस अवसर पर मरीन ड्राइव पर तैयार वातावरण बेहद उत्साहपूर्ण और सकारात्मक रहा। उपस्थित लोगों ने एक स्वर में जय श्रीराम का उद्घोष किया और आयोजन को सफल बनाने में भाग लिया।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, पार्षद अमर गिदवानी, महिला विंग अध्यक्ष काजल सचदेव, संयोजक नितिन कृष्णानी, और अन्य गणमान्य सदस्य तेजकुमार बजाज, किशोर आहूजा, नरसा लालवानी, सुरेश सचदेव, निलेश तारवानी, जीतू लोहाना, जतिन नचरानी, सुमीत आठवानी, डॉक्टर एन. डी. गजवानी, रितेश वाधवा और धनेश मटलानी शामिल थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना था।

अभियान के तहत सामग्री वितरण के साथ ही जनता को यह संदेश भी दिया गया कि दीपावली का त्योहार सौहार्द्र, भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। सिंधी काउंसिल के सदस्यों ने बताया कि यह अभियान आगामी दिनों में भी जारी रहेगा और विभिन्न मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों पर दिवाली की खुशियाँ और रोशनी पहुंचाई जाएगी। इस पहल से बच्चों और युवाओं में भी उत्साह और सांस्कृतिक चेतना बढ़ी है।

जापान में शहर का प्रतिनिधित्व कर वापस लौटने पर महापौर चौबे का एमआईसी सदस्यों, पार्षदों ने किया भव्य स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे का वैश्विक मंच पर रायपुर शहर का जापान के टोयोटा शहर में विगत 14 से 16 अक्टूबर 2025 तक हुए अंतर्राष्ट्रीय मेयर्स फोरम में प्रतिनिधित्व करने के पश्चात राजधानी शहर रायपुर वापस लौटने पर रायपुर माना के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर पहुंचने पर रायपुर नगर पालिक निगम के एमआईसी सदस्यों, पार्षदों, स्वजनों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों ने गजमाला पहनाकर बुके देकर फूलमालाओं से लादते हुए भव्य आत्मीय स्वागत किया। महापौर का माना विमानतल पर पहुंचने पर फूलमालाओं से लादकर बुके प्रदत्त कर स्वजनों ने गाजे बाजे छत्तीसगढ़ी राउत नाचा के मध्य स्वागत किया. महापौर ने सबका अभिवादन स्वीकार किया।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने विगत 16 अक्टूबर 2025 को अपने जन्मदिवस पर स्वजनों सहित जन्मदिन का केक काटा। महापौर श्रीमती मीनल चौबे 16 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय मेयर्स फोरम के तीन दिवसीय वैश्विक आयोजन में रायपुर शहर का प्रतिनिधित्व कर रही थीं। महापौर श्रीमती मीनल चौबे को नगर निगम मुख्यालय भवन पहुंचने पर नगर निगम एमआईसी सदस्यों,जोन अध्यक्षगणों, पार्षदों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, आमजनों ने गाजे बाजे के मध्य उन्हें बुके देकर और फूलमालाओं से लादते हुए जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनायें दीं।

नगर निगम एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, संतोष सीमा साहू, नंदकिशोर साहू, दीपक जायसवाल, भोलाराम साहू, श्रीमती सरिता आकाश दुबे, श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, श्रीमती संजना संतोष हियाल, जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू, जोन 6 जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, जोन 10 जोन अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी, पार्षद श्रीमती प्रभा मनोज विश्वकर्मा, महेद्र औसर, आनंद अग्रवाल, प्रमोद कुमार साहू, अजय साहू, अर्जुन यादव, कृष्णा सोनकर, अमन सिंह ठाकुर, रवि सोनकर, डॉक्टर मनमोहन मनहरे,भगतराम हरबंश, पूर्व पार्षद श्रीमती शैलेन्द्री परगनिहा, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, स्वजनों सहित नगर निगम अपर आयुक्त श्रीमती कृष्णा खटिक, रायपुर नगर पालिक निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ के अध्यक्ष प्रमोद जाधव ने महापौर श्रीमती मीनल चौबे को अंतर्राष्ट्रीय मेयर्स फोरम में वैश्विक मंच पर रायपुर का प्रतिनिधित्व करने पश्चात राजधानी शहर वायस लौटने पर और उनके जन्मदिन पर बुके प्रदत्त कर उन्हें हार्दिक शुभकामनायें दी हैं।

किसानों को वितरित की गई आदान सहायता सामग्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। रजत जयंती वर्ष 2025-26 के उपलक्ष्य में एक्सटेंशन रिफार्म्स आत्मा योजना के अंतर्गत आज भीमराव अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन, संजय कानन के पास, बागबाहरा रोड, महासमुंद में एक दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद रूपकुमारी चौधरी थीं, जबकि विशिष्ट अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा रहे। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, जिला पंचायत सदस्य जुगनू चंद्राकर, महेंद्र सिक्का सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मेले में विभागीय प्रदर्शनी और उत्कृष्ट कृषकों का सम्मान मेले में विभिन्न विभागों द्वारा कृषकों को नवीन तकनीकी जानकारी एवं योजनाओं की जानकारी देने हेतु आकर्षक स्टॉल लगाए गए। सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने सभी स्टॉलों का अवलोकन किया और विभागीय अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा जिले के उत्कृष्ट किसानों को कृषक आदान सहायता सामग्री प्रदान की गई। साथ ही आत्मा योजना अंतर्गत नवाचारों और कृषि में उपयोगी वैज्ञानिक विधियों की जानकारी भी साझा की गई।

सांसद रूपकुमारी चौधरी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं, देश की

अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों, आधुनिक कृषि उपकरणों और नवीन तकनीकों को अपनाना चाहिए, जिससे उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि हो। उन्होंने महिलाओं की सक्रिय सहभागिता को कृषि केकृषक मेला किसानों को तकनीकी मंच प्रदान करता है- विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर नई योजनाएँ लागू कर रही है। यह किसान मेला किसानों को जानकारी, नवाचार और तकनीकी सहयोग प्रदान करने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि महासमुंद जिले के किसान मेहनती और नवाचारी हैं। यदि सभी किसान योजनाओं का अधिकतम लाभ लेकर आधुनिक तकनीक अपनाएं, तो महासमुंद जिले को कृषि नवाचार का केंद्र बनाया जा सकता है।

मेले में महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिवासी विकास विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, पशु चिकित्सा, कृषि यंत्रीकरण, उद्यानिकी, मत्स्य पालन एवं रेशम पालन विभाग के स्टॉलों पर किसानों को योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषक उपयोगी उत्पादों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि एफआर. कश्यप, संदीप घोष, राजू चंद्राकर, मुन्ना साहू, प्रकाश शर्मा, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा सभी विकासखंडों से आए बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल डेका से विधायक अग्रवाल ने की मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से राजभवन में बिलासपुर के विधायक अमर अग्रवाल ने सौजन्य मुलाकात कर दीपावली की शुभकामनाएं दी। श्री डेका ने भी उनको दीपावली पर्व की बधाई दी।

विधायक सोनी के ज्वेलरी शॉप में सांसद अग्रवाल ने की खरीदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधायक सुनील सोनी के ज्वेलरी शॉप में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शुभ खरीदारी की। सांसद ने एक्स पोस्ट में लिखा, धनतेरस के पावन अवसर पर परिवार के साथ पारंपरिक रस्म निभाते हुए विधायक सुनील सोनी के प्रतिष्ठान से शुभ खरीददारी की। राजधानी समेत राज्यभर के बाजारों में इस बार जीएसटी दरों के कम होने का खासा असर दिखाई दे रहा है।

शनिवार को दोपहर 12 बजे के बाद से देर रात तक लोग खरीदारी करते रहे। गोलबाजार, मालवीय रोड, सदरबाजार, एमजी रोड, पंडरी, कटोरातालाब, लाखेनगर, पुरानी बस्ती समेत शहर के लगभग सभी बाजारों में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते रहे। इस वजह से शाम 5 बजे के बाद कई जगहों पर जाम भी लगता रहा। लोगों की भीड़ देर रात बाजारों में आती-जाती रही। राज्य के सबसे बड़ी व्यापारिक संस्था छत्तीसगढ़ चैंबर और कैट का दावा है कि इस बार बाजार में धनतेरस पर 2000 करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है। सबसे ज्यादा ऑटोमोबाइल, सराफा और इलेक्ट्रॉनिक सेगमेंट में बिक्री हुई है। क्योंकि जीएसटी की दरें कम होने की वजह से तीनों सेक्टरों में कीमत भी बहुत ज्यादा कम हुई है।

सोनम खान ने मिथुन चक्रवर्ती के साथ शेयर की पुरानी यादें

अभिनेत्री सोनम खान भले ही अब सिल्वर स्क्रीन पर कम नजर आती हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए यादों को शेयर करती रहती हैं। उन्होंने शुक्रवार को मिथुन चक्रवर्ती संग तस्वीर पोस्ट कर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव बताए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अभिनेता के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अभिनेता के व्यवहार की तारीफ करते हुए कैप्शन में लिखा, मिथुन न केवल एक सुपरस्टार बल्कि नेक दिलवाले इंसान हैं। सोनम ने लिखा कि उनके करियर की शुरुआत में मिथुन के साथ एक फिल्म साइन करना उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

उन्होंने लिखा, मिथुन सर के साथ फिल्म साइन करने से पहले मेरी फिल्म रिलीज भी नहीं हुई थी और मैं उस समय इंडस्ट्री में नई थी। मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात थी क्योंकि मैं एकदम नई थी। सर की दयालुता की वजह से मुझे किसी ऑडिशन की भी जरूरत नहीं पड़ी।

सोनम ने बताया कि वह मिथुन के साथ काम करने से पहले काफी नर्वस थीं, क्योंकि वह बचपन से उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्हें मिथुन पर हल्का-सा क्रश था, जिससे उनकी घबराहट और बढ़ जाती थी। सोनम ने मिथुन की सादगी और उदारता की तारीफ करते हुए कहा कि उनका व्यवहार हमेशा दूसरों से अलग रहा है। सालों बाद कोयंबटूर हवाई अड्डे पर मिथुन से मुलाकात हुई, जब दोनों ऊटी जा रहे थे। मिथुन ने उन्हें अपने होटल द मोनार्क में सात कोर्स वाला लंच ऑफर किया।

सोनम ने कहा कि मिथुन आज भी उतने ही विनम्र और सज्जन हैं, जितने वह उनके करियर के शुरुआती दिनों में थे। सोनम ने मिथुन को एक ऐसे सुपरस्टार के रूप में याद किया, जिनका दिल सोने जैसा है। अभिनेत्री सोनम खान और मिथुन चक्रवर्ती ने मिलकर तीन फिल्मों में काम किया है।

शाहरुख खान के साथ टीवी ऐड करना मेरे करियर का सबसे यादगार अनुभव : मीरा उमर

स्वीडन से बॉलीवुड की चकाचौंध में अपनी छाप छोड़ने वालीं मीरा उमर आज सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुकी हैं। संगीत, नृत्य और कला के प्रति उनका जुनून ही पहचान बन गया है, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे है। अफगानिस्तान में जन्मी, स्वीडन में पली-बढ़ी और भारत में अपने सपनों को आकार देती मीरा की कहानी संघर्षों से भरी है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने करियर को लेकर बात की।

काबुल से स्वीडन तक के सफर के सवाल पर मीरा ने कहा कि उनका स्वीडन आना एक लंबी यात्रा का हिस्सा था। उस वक्त वह काफी छोटी थीं, जिसके कारण उन्हें इस यात्रा के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं काबुल में पैदा हुई थी। यह 90 के दशक की शुरुआत की बात है, जब वहां युद्ध और तालिबान का बोलबाला था। हमें अपना देश छोड़ना पड़ा और हम शरणार्थियों के रूप में स्वीडन आए। मैं उस वक्त तीन साल की थी, इसलिए इस सफर की यादें काफी धुंधली हैं, लेकिन मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मेरे माता-पिता ने इतनी हिम्मत की, ताकि हम एक बेहतर जीवन पा सकें। स्वीडन एक अद्भुत देश है।

मीरा ने आगे संगीत और नृत्य के प्रति अपने लगाव के बारे में बताया। वह कहती हैं कि उन्होंने गाना और नाचना उस समय शुरू किया, जब वह बोलना भी नहीं जानती थीं।

उन्होंने कहा, मेरे पापा अफगानिस्तान से हैं और हमारे कल्चर में म्यूजिक और डांस बहुत गहराई से जुड़े हैं। मेरी मां भी सिंगर रही हैं और उन्होंने बैले डांस भी किया है। तो ये सब मेरे खून में ही है। जब मैं बच्ची थी, तो मैं अपने घरवालों को लिविंग रूम में बुलाया करती और कहती थी, यहां बैठो, अब मैं तुम्हारे लिए परफॉर्म करूंगी, और कभी-कभी तो मैं उनसे टिकट भी मांगती थी। इसी तरह के छोटे-छोटे लम्हों ने मेरे करियर की नींव रखी।

मीरा ने आगे कहा, माता-पिता का साथ और समर्थन मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत रहा है। अगर मेरा परिवार मेरा साथ न होता, तो मैं शायद यहां तक नहीं पहुंच पाती। जब मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं इसे प्रोफेशनली करना चाहती हूं, तो वे सरप्राइज नहीं हुए, बल्कि उन्होंने शुरू से ही मेरा साथ दिया।

आईएएनएस से बात करते हुए मीरा ने बताया कि उनके करियर में दिलचस्प मोड़ तब आया, जब वह भारत आईं और यहां पांच साल रहीं। भारत में उन्होंने डांस इंडस्ट्री को करीब से देखा और कई ऑडिशन, कास्टिंग और शूटिंग्स का हिस्सा बनीं। लेकिन उनके लिए सबसे यादगार अनुभव एक टीवी कमर्शियल था, जो उन्होंने बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के साथ किया।

उन्होंने कहा, यह एक छोटा सा रोल था; मैं सिर्फ तीन सेकंड के लिए स्क्रीन पर हूं। लेकिन उन तीन सेकंड्स में मैं शाहरुख खान के साथ टैंगो डांस कर रही थी। उस दिन मैंने सोचा कि इससे बेहतर शायद कुछ नहीं हो सकता।

विशाल ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों सहित सम्मान पर अपने विचार साझा किए

विशाल इन दिनों अपनी आगामी रिलीज, रवि अरासु द्वारा निर्देशित एक गैंगस्टर एक्शन ड्रामा, मगुडम पर काम कर रहे हैं। हाल ही में, अभिनेता ने सिनेमा में पुरस्कारों की संस्कृति के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया और आलोचना की कि कैसे कुछ ही लोगों का एक पैनल जनता की राय जानने के बजाय, यहाँ तक कि राष्ट्रीय पुरस्कारों का भी नाम लेने के बजाय, यह तय करता है कि किसे सम्मानित किया जाए।

विशाल ने पुरस्कार संस्कृति पर निशाना साधा योर्स फ्रैंकली विशाल नामक एक अनफिल्टर्ड पॉडकास्ट पर बोलते हुए, अभिनेता ने पुरस्कारों की पूरी अवधारणा पर अपना असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं पुरस्कारों में विश्वास नहीं करता। पुरस्कार एक अजीबोगरीब चीज है। कैसे चार लोग बैठकर सात करोड़ लोगों के पसंदीदा अभिनेता, पसंदीदा सहायक अभिनेता और पसंदीदा फिल्म का फैसला कर सकते हैं? क्या ये चार लोग सबके बॉस हैं? मैं राष्ट्रीय पुरस्कारों के बारे में भी यही कह रहा हूँ। आपको एक सर्वेक्षण करना होगा और लोगों से पूछना होगा। यह महत्वपूर्ण है। ये पुरस्कार आठ अलग-अलग लोगों को इकट्ठा करने और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फैसला करने जैसा है। मैं पुरस्कारों में विश्वास नहीं करता; यह एक बकवास चीज है, विशाल ने आगे कहा।

अभिनेता ने जोर देकर कहा कि उनके विचार उनके करियर में पुरस्कारों की कमी से नहीं, बल्कि व्यवस्था में उनके गहरे अविश्वास से प्रभावित हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने आयोजकों से यहाँ तक कहा है कि अगर मुझे कोई पुरस्कार मिलता है, तो मैं उसे कूड़ेदान में फेंक दूँगा, या अगर वह सोने का बना है, तो मैं उसे बेचकर उससे मिलने वाले पैसे दान कर दूँगा। मैं उनसे कहता हूँ कि मुझे कोई पुरस्कार न दें, बल्कि किसी ऐसे व्यक्ति को दें जो वास्तव में इसके योग्य हो।

अपने बयान के अंत में, विशाल ने स्पष्ट किया कि वह अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं के कारण पुरस्कार स्वीकार नहीं करते। हालाँकि, उन्होंने स्वीकार किया कि अन्य लोग इस तरह के सम्मान को महत्व दे सकते हैं, इसलिए वह आयोजकों से उन लोगों को सम्मानित करने का आग्रह करते हैं जो वास्तव में इसकी सराहना करते हैं और इसके हकदार हैं। विशाल की आगामी फिल्म विशाल जल्द ही गैंगस्टर एक्शन ड्रामा मगुडम में दिखाई देंगे, जिसमें वह कथित तौर पर कई अवतारों में नज़र आएंगे। इस फिल्म में वेट्टैयन फेम दुशारा विजयन मुख्य भूमिका में हैं, जबकि संगीत और बैकग्राउंड स्कोर जीवी प्रकाश कुमार द्वारा रचित है।

रवि अरासु द्वारा निर्देशित इस फिल्म को हाल ही में निर्देशक और विशाल के बीच रचनात्मक मतभेदों को लेकर अनबन की अफवाहों का सामना करना पड़ा था, कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि अभिनेता ने निर्देशन की जिम्मेदारी संभाल ली है। हालाँकि, रवि ने कथित तौर पर इन दावों को खारिज कर दिया है। आगे देखते हुए, थुप्पारिवलन अभिनेता जल्द ही अभिनेत्री साईं धंशिका से शादी करने वाले हैं, जिनकी सगाई अगस्त 2025 में होगी।

अभिनेत्री श्रीलीला मुंबई सेट में मनाएगी दीपावली, क्योंकि मैं हैदराबाद में नहीं, मुंबई में हूँ

श्रीलीला, जिनका साल भर काफी व्यस्त रहा है और जो कार्तिक आर्यन के साथ अपनी फिल्म की रिलीज के अलावा अन्य प्रोजेक्ट्स का भी इंतजार कर रही हैं, कहती हैं कि इस साल दिवाली मुंबई में सेट पर ही मनेगी। श्रीलीला कहती हैं, मुझे लगता है कि इस साल मैं शूटिंग करूँगी। लेकिन आमतौर पर दिवाली हमेशा दीयों, सजावट और घर की सभी लड़कियों के एक साथ आने के बारे में होती है। हम साथ बैठते हैं, सजावट करते हैं और पर्दों का भी ध्यान रखते हैं (ताकि उनमें आग न लग जाए) और बाकी सब। ज्यादातर घर सजाने, सुंदर कपड़े पहनने और तस्वीरें लेने के बारे में होता है। मैं सभी खतरनाक पटाखों से दूर रहती हूँ।

श्रीलीला दिवाली से जुड़ी कोई पारिवारिक परंपरा? दिवाली वो दिन होता है जब हमारे चचेरे भाई-बहन, जिनसे हम महीनों से नहीं मिले हैं, भी एक साथ आते हैं। हम साथ और दिन का आनंद लेते हैं। इस साल थोड़ा अलग होगा क्योंकि मैं हैदराबाद में नहीं, बल्कि मुंबई में हूँ। मैं उत्सुक हूँ कि इस बार दिवाली कैसी रहेगी! मैं अपने खान-पान को लेकर ज़्यादा सख्त नहीं हूँ। मैं जो भी पसंद करती हूँ, खाती हूँ, खासकर मिठाइयाँ। दिवाली उन मौकों में से एक है जब पारिवारिक समारोहों, बुफे और रात्रिभोजों में ढेर सारा स्वादिष्ट खाना मिलता है। मुझे अपनी थाली भरना और का आनंद लेना बहुत पसंद है।

वह आगे कहती हैं कि त्योहारों का मौसम ही वह समय भी होता है जब वह शेफकी भूमिका निभाती हैं। वह याद करती हैं, मैं घर पर मिठाइयाँ बनाने में बहुत व्यस्त रहती थी। मैं पायसम बनाती थी। मुझे यह प्रक्रिया बहुत पसंद है क्योंकि रसोई में होने वाली बातें बहुत खास होती हैं - मेरी दादी बचपन की कहानियाँ सुनाती हैं, मेरी माँ भी बीच में आ जाती हैं, और खाना बनाते समय हम सब एक-दूसरे के साथ घुल-मिल जाते हैं। दिवाली के लिए अपने कपड़े चुनना भी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परिवार शामिल होता है। आमतौर पर, मेरी माँ या दादी मेरे लिए कपड़े चुनती हैं। अगर मैं डिनर के लिए बाहर जा रही हूँ, तो मैं डिजाइनर कपड़े चुन सकती हूँ, लेकिन घर पर मुझे हथकरघा ज्यादा पसंद है। मैं इस बात का भी ध्यान रखती हूँ कि साटन या कोई भी ऐसा कपड़ा न पहनूँ जो आसानी से आग पकड़ ले, वह कहती हैं।

जबकि यह हर महिला के जीवन का एक अपरिहार्य और महत्वपूर्ण अवस्था है, जिससे उसके हार्मोन्स, मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और यहां तक कि पहचान भी प्रभावित होती है। यह फिल्म वास्तविक अनुभवों से प्रेरित कहानियों को समाज के समक्ष लाती हैं।

लेखक ने यह सुनिश्चित करते हुए कि फिल्म मनोरंजन से आगे बढ़कर सामाजिक प्रभाव और जागरूकता पैदा करे, इसकी कहानी में प्रामाणिकता और गहराई लाने का हरसंभव प्रयास किया है, जिसके लिए वह अलग से बधाई के पात्र हैं। फिल्म के बारे में इसमें मुख्य किरदार निभाने वाली अभिनेत्री काम्या पंजाबी कहती हैं, यह एक सहज खुशी की बात है कि आज हमारे समाज में लोग धीरे-धीरे ही सही, फुसफुसाकर ही सही, लेकिन मासिक धर्म के बारे में बात करने लगे हैं, लेकिन इसके बावजूद मासिक धर्म को अभी भी महिलाओं के लिए एक रहस्य की तरह ही देखा जाता है।

ऐसा तब है, जब यह हर महिला को प्रतिमाह अनिवार्य रूप से होता है, फिर भी उससे उम्मीद की जाती है कि वह इसके बारे में चुप रहे, किसी से कुछ न बोले। मी नो पॉज मी प्ले उसी चुप्पी को एक सशक्त और बुलंद आवाज देता है। यह फिल्म स्वीकृति, साहस और हर महिला को यह याद दिलाने के बारे में है कि यह दौर उसके अंत को नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत को रेखांकित करता है।

नाभि है शरीर की सीक्रेट पावर बटन, जानिए कैसे करें इसकी अच्छे से देखभाल

हमारी नाभि या नाभि वह बिंदु है जहाँ गर्भाधान के समय से ही शिशु माँ से जुड़ा होता है। यह एक निशानदार ऊतक है जो कुछ स्तनधारियों में शिशु के जन्म के बाद गर्भनाल के कट जाने पर बनता है। कुछ लोगों की नाभि अंदर की ओर जाती है जबकि कुछ लोगों की नाभि बाहर की ओर निकली हुई होती है। इससे पहले कि हम नाभि चिकित्सा या नाभि थेरेपी पर चर्चा शुरू करें, नाभि के बारे में कुछ चौंकाने वाले तथ्यों को जानना महत्वपूर्ण है।

नाभि में लगभग 72,000 नसें होती हैं जो हमारे शरीर के लगभग सभी अंगों तक पहुंचती हैं। नाभि के अंदर की त्वचा बेहद पतली होती है, जिससे नाभि उत्तेजना बहुत प्रभावी होती है। सूक्ष्म स्तर पर, नाभि एक उष्णकटिबंधीय वर्षावन जैसी दिखती है, जिसमें लगभग 2400 प्रकार के अद्वितीय सूक्ष्मजीव निवास करते हैं। हमारी उंगलियों के निशान और डीएनए की तरह, हमारी नाभि के अंदर की संस्कृति भी सभी व्यक्तियों के लिए अद्वितीय होती है। नाभि में पाए जाने वाले बैक्टीरिया की कुछ प्रजातियां केवल उस विशेष व्यक्ति के लिए ही विशिष्ट होती हैं।

नाभि चिकित्सा क्या है और नाभि चिकित्सा क्यों महत्वपूर्ण है?

नाभि चिकित्सा या नाभि चिकित्सा एक प्राचीन हिंदू आयुर्वेदिक पद्धति है जिसमें नाभि की चिकित्सीय तेलों से मालिश की जाती है। भारत में, पेट दर्द होने पर शिशुओं की नाभि पर 'हींग का तेल/हींग का पानी' मालिश करना एक आम प्रथा है। अक्सर, यह गैस और आंतों के दर्द से राहत दिलाने में काफी तेजी से काम करता पाया गया है। बच्चों को पेट दर्द होने पर उनकी नाभि में हींग का लेप या हींग का तेल दिया जाता है आयुर्वेद कहता है कि चिकित्सीय

तेल नाभि के माध्यम से आसानी से अवशोषित हो जाते हैं और सामान्य बीमारियों में धीरे-धीरे आराम पहुँचाते हैं। विज्ञान के अनुसार, नाभि के माध्यम से बेहतर अवशोषण को दर्शाने वाले कोई ठोस प्रमाण या अध्ययन तो नहीं हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से सिद्ध है कि हमारी त्वचा पर तेल की मालिश करने से आराम और उपचारात्मक प्रभाव मिलता है।

नाभि चिकित्सा: उपचार का पहला कदम

अपनी नाभि को ठीक से और नियमित रूप से साफ करें: क्या आपने कभी अपनी नाभि में उंगली डालकर उसे सूंघा है? इसकी गंध बहुत ही खराब होती है। ऐसा हमारी नाभि में पनपने और रहने वाले बैक्टीरिया के कारण होता है। इसलिए, जब भी नहाएँ, अपनी नाभि को नियमित रूप से धोकर साफ जरूर करें।

योग आपके सौर जालक चक्र को सही स्थान पर रखने में मदद कर सकता है : योग के आसन और गतिविधियाँ शरीर को एक सीध में रखने में बेहद फायदेमंद हैं। ये विभिन्न अंगों के कार्य को बेहतर बनाने और हमारे शरीर को एक सीध में रखने में मदद करते हैं। अपनी नाभि की देखभाल का एक हिस्सा सरल केंद्रित योग क्रियाओं का अभ्यास करना है।

तेल चिकित्सा - नाभि चिकित्सा का आधार : चिकित्सीय तेलों का उपयोग करके नाभि चिकित्सा की प्राचीन हिंदू आयुर्वेदिक पद्धति लगभग 5000 वर्ष पुरानी है। शिशुओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, सभी स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के लिए नाभि चिकित्सा का उपयोग कर सकते हैं। इसलिए, गर्म तेलों से नाभि की मालिश करने से कुछ स्थितियों में आराम मिल सकता है और इसके कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होते हैं।

नाभि चिकित्सा में कौन से तेल का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता है?

बादाम तेल/नारियल तेल: चमकती त्वचा, रोगाणुरोधी और सफाई गुण।

सरसों का तेल: सिरदर्द से राहत, बालों की वृद्धि, बेहतर दृष्टि

जैतून का तेल: रक्तचाप नियंत्रित करना, पीठ दर्द से राहत, पाचन और जठरांत्र संबंधी बीमारियों में सहायक

नीम का तेल: मुँहासे, त्वचा पर चकत्ते, फुंसियाँ

घी: त्वचा को नमी प्रदान करता है, फटे होंठों और रूखेपन से राहत दिलाता है

अरंडी का तेल: जोड़ों के दर्द से राहत देता है, घुटनों को मजबूत बनाता है

लौंग का तेल: मासिक धर्म में ऐंठन से राहत दिलाने में मदद करता है

नीम का तेल त्वचा की सफाई, मुँहासे, चकत्ते, धब्बे और नाभि चिकित्सा में त्वचा को ठंडक पहुंचाने में मदद करने के लिए जाना जाता है।

नाभि चिकित्सा या नाभि चिकित्सा कैसे करें

नाभि पर गर्म तेल से तेल लगाना सबसे अच्छा होता है। इसमें नाभि के अंदर और आसपास तेल लगाकर 3-5 मिनट तक हल्के हाथों से मालिश की जाती है। जैसा कि बताया गया है कि आप अलग-अलग तरह के तेलों का इस्तेमाल करके अलग-अलग तरह के लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि आप घर पर ही बेस ऑयल का इस्तेमाल करके हीलिंग ऑयल बना सकते हैं, लेकिन आप इन्हें आयुर्वेदिक हीलिंग उत्पाद निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं से भी खरीद सकते हैं।

मनोविकास केंद्र के छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय पटल पर जिले का नाम किया रोशन

गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट में योगा प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का किया प्रतिनिधित्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छततीसगढ के मनोविकास केन्द्र के 5 बच्चों ने 9 से 12 अक्टूबर 2025 तक गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में योग प्रदर्शन किया। मनोविकास केन्द्र बलौदाबाजार के प्रतिभावान छात्रों ने गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर प्रदेश और जिले का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मनोविकास केन्द्र के बच्चों की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि प्रदेश का नाम इसी तरह रौशन करते हुए आगे बढ़ें। अंतर्राष्ट्रीय फेस्ट में हिस्सा लेकर वापस आने पर शुक्रवार को कलेक्टर से छात्रों ने मुलाक़ात की और अपने अनुभव साझा किये

मनोविकास केन्द्र के नोडल अधिकारी आशा शुक्ला ने बताया कि केंद्र के छात्र कुलदीप निर्मलकर, तुषार सेन पुष्कर कुमार साहू, लोकेश कुमार वर्मा एवं किशन यादव का चयन अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ था। फेस्ट में छात्रों के द्वारा लगभग 12 मिनट का योग प्रदर्शन प्रस्तुत कर दिव्यांगजनों की क्षमताओं और समावेशन की भावना को उजागर किया। इस फेस्ट में भाग लेकर छात्रों ने नि:शक्तजनों के लिए हो रहे नवाचार के कार्यो को जाना।

अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 को दिव्यांगजनों की रचनात्मकता, प्रतिभा और सशक्तिकरण के एक जीवंत उत्सव के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, गोवा सरकार के राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय, तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय एवं संयुक्त राष्ट्र भारत के सहयोग से किया जा रहा है। पर्पल फेस्ट का उद्देश्य दिव्यांगजनों के समावेशन, पहुंच और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह महोत्सव समाज में जागरूकता फैलाने, उनकी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा और समान अवसरों के साथ जीवन जीने का अधिकार हो।

दीवाली के दिन 1 दीया अपने स्कूल में अवश्य जलाएँ - मंत्री गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव सोमवार, 20 अक्टूबर 2025 को शाम 5 बजे दुर्ग स्थित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला, शक्तिनगर में आयोजित विशेष कार्यक्रम विष्णु का दीया में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम दीपावली पर्व को शिक्षा और संस्कारों से जोड़ने की एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चों के जीवन में ज्ञान का महत्व स्थापित करना और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरित करना है।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि दीपावली का दीया केवल रोशनी का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, उम्मीद और उज्ज्वल भविष्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का सपना है कि छत्तीसगढ़ का हर बच्चा शिक्षा के प्रकाश से रोशन हो और पूरे प्रदेश का नाम गौरव के साथ ऊँचा करे। जिस तरह छोटा-सा दीपक अंधकार को मिटा देता है, उसी प्रकार शिक्षा भी जीवन के अज्ञान और कठिनाइयों को दूर कर देती है। मंत्री श्री यादव ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से आह्वान किया है कि इस दीपावली पर सभी बच्चे अपने-अपने विद्यालय में एक दीया अवश्य जलाएँ। यह दीया केवल उत्सव का हिस्सा नहीं होगा, बल्कि यह शिक्षा, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा। यह संकल्प हमें यह याद दिलाएगा कि शिक्षा ही जीवन का सच्चा दीप है, जो न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे समाज को प्रकाशमय बनाती है। विष्णु का दीया कार्यक्रम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नाम से प्रेरित है। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि प्रदेश के मुखिया स्वयं शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और यह चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ का हर बच्चा शिक्षा की ज्योति से आलोकित हो। दुर्ग के शक्तिनगर विद्यालय में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के साथ-साथ बच्चों द्वारा प्रेरणात्मक गतिविधियाँ भी होंगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव इस अवसर पर विद्यार्थियों से सीधे संवाद करेंगे और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएँ देंगे।

नेतृत्व और रणनीतिक कौशल को सशक्त बनाने के लिए छह हाई-इम्पैक्ट मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स लॉन्च किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर, जो व्यावसायिक नेताओं को तैयार करने के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में प्रसिद्ध है, ने अक्टूबर और नवंबर 2025 में आयोजित किए जाने वाले छह हाई-इम्पैक्ट मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स की घोषणा की है। ये अल्पकालिक कार्यक्रम वरिष्ठ कार्यकारी, मध्य-स्तरीय प्रबंधक, कार्यात्मक नेता और निर्णय निर्माता के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रबंधकीय क्षमता, रणनीतिक सोच और नेतृत्व कौशल को निखारना है।

21 अक्टूबर से 24 नवंबर 2025 तक चलने वाले ये कार्यक्रम वित्त, मानव संसाधन, रणनीतिक प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार और कॉर्पोरेट संचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करेंगे। अक्टूबर में फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट, डॉ. प्रणिथ कुमार रॉय द्वारा संचालित, और ऑर्गेनाइजेशनल पॉलिटिक्स का विश्लेषण, डॉ. दामिनी सैनी द्वारा संचालित, पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो प्रतिभागियों को वित्त, जोखिम मूल्यांकन और संगठनात्मक व्यवहार में विशेषज्ञता प्रदान करेगा। नवंबर में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, डॉ. अर्चना प्रसाद और डॉ. मृणाल चवड़ा द्वारा संचालित, स्ट्रेटेजिक थिंकिंग, डॉ. सत्यसिबा दास द्वारा संचालित, फ्रैंचाइजिंग फॉर बिजनेस ग्रोथ, डॉ. संदीप एस. द्वारा संचालित, और एचआर एनालिटिक्स, डॉ. ऋतु गुप्ता द्वारा संचालित, जैसे कार्यक्रम नेतृत्व, बातचीत, संचार, रणनीतिक निर्णय और व्यवसाय विस्तार क्षमताओं को बढ़ाएंगे।

आईआईएम रायपुर के निर्देशक-इन-चार्ज प्रोफेसर संजीव प्रसाद ने इन कार्यक्रमों के पीछे की रणनीति को रेखांकित करते हुए कहा, हमारे मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स उन बदलती चुनौतियों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनका सामना पेशेवर विभिन्न उद्योगों में कर रहे हैं। ये कार्यक्रम शोध-आधारित अंतर्दृष्टि और अनुभवात्मक सीखने को जोड़ते हैं, प्रतिभागियों को व्यावहारिक उपकरण, रूपरेखाएँ और मानसिकता प्रदान करते हैं ताकि वे नवाचार को आगे बढ़ा सकें, निर्णय लेने को बेहतर बना सकें और स्थायी व्यावसायिक वृद्धि प्राप्त कर सकें। हमारा उद्देश्य केवल प्रबंधकों को तैयार करना नहीं है, बल्कि ऐसे नेताओं को तैयार करना है जो सार्वजनिक नीति, कॉर्पोरेट रणनीति और सामाजिक नवाचार में परिवर्तनकर्ता बन सकें।

रायगढ़ के गेंदा फूल की प्रदेशभर में डिमांड :1500 पौधों से शुरुआत, अब 1 लाख गेंदा पौधे लगा रहा किसान, पिछले साल 36 लाख की आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में दीपावली पर गेंदा फूल की मांग काफी बढ़ जाती है। शहर की कई सड़कों पर गेंदा के पौधों की बिक्री होती है। यह पौधे मुख्यत: लैलूंगा ब्लॉक के कोड़केला गांव से आते हैं, जहां के किसान विद्याधर पटेल गेंदा की खेती कर सालाना लाखों रुपए की आय अर्जित कर रहे हैं। कोड़केला निवासी किसान विद्याधर पटेल पहले सब्जी की खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। एक दिन उन्होंने पुष्प प्रदर्शनी में विभिन्न पौधों को देखा और यहीं से उनके मन में फूलों की खेती का विचार आया। इसके बाद उन्होंने गेंदा फूल की दो अलग-अलग किस्मों की खेती शुरू की।

विद्याधर पटेल बताते हैं कि उन्होंने इस साल 5 एकड़ में गेंदा की खेती की है। साल 2008 में जब उन्होंने पहली बार गेंदा फूल की जानकारी ली, तब 1,500 पौधों से शुरुआत की थी। शुरुआत में ही अच्छा फायदा मिलने पर उन्होंने इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का निश्चय किया। पिछले साल उन्होंने करीब 1,30,000 गेंदा पौधे लगाए थे, जिससे उन्हें लगभग 36 लाख रुपए की आय हुई थी। इस साल वे 1 लाख हाईब्रिड गेंदा पौधे लगा चुके हैं, जिन्हें बाजार में बेचा जा रहा है। थोक में एक पौधे की कीमत 30-35 रुपए है, जबकि बाजार में यह 40-50 रुपए तक बिकता है। किसान विद्याधर पटेल ने बताया कि हाईब्रिड गेंदा का बीज बेंगलुरु से लाजा जाता है। बीजों को सबसे पहले नर्सरी बेड में खाद डालकर बोया जाता है। 15-18 दिनों में यह पौधा प्लास्टिक बैग में लगाने लायक हो जाता है और करीब 65-70 दिनों में पूरी तरह तैयार हो जाता है। किसान ने बताया कि नवरात्रि और दीपावली के समय गेंदा की बिक्री ज्यादा मात्रा में होती है। इस दौरान वे रायगढ़ के अलावा सारंगढ़, बरमकेला, जशपुर, कुनकुरी, सक्ती, ओडिशा के राउलकेला, झारसुगुड़ा, संबलपुर, सुंदरगढ़ समेत अन्य जिले और शहरों में बिक्री करते हैं। विद्याधर पटेल की 5 एकड़ में की जा रही खेती में उनके परिवार के सदस्य सहयोग करते हैं, साथ ही गांव के अन्य लोगों को भी इससे रोजगार मिलता है। इससे न केवल विद्याधर के परिवार की आय होती है, बल्कि गांव के कई लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं।

विद्याधर पटेल को कृषि अनुसंधान के कृषि वैज्ञानिक डॉ. केडी. महंत से मार्गदर्शन भी मिलता है। उन्होंने बताया कि उन्हें बेंगलुरु स्थित में गेंदा की खेती को लेकर सम्मानित भी किया गया था। पिछले साल से उन्होंने गेंदा महोत्सव की शुरुआत की है, जिसमें आसपास के गांवों से किसान शामिल होते हैं और गेंदा की खेती के लिए प्रेरित होते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नरक चतुर्दशी पर ठाठापुर में की पूजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के ग्राम ठाठापुर में आज नरक चतुर्दशी के पावन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने कुलदेवता की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने अध्यक्ष का स्नेहपूर्ण स्वागत किया, जिससे वे अभिभूत हुए। डॉ. रमन सिंह ने पूजा-अर्चना के दौरान ग्रामवासियों के साथ बातचीत की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

उन्होंने कहा कि यह पर्व जीवन में उजाला, सुख और समृद्धि लाने वाला है। नरक चतुर्दशी को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है और इसे श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाना चाहिए। अध्यक्ष ने ग्रामवासियों से अनुरोध किया कि वे इस पर्व को सौहार्द्र और भाईचारे के साथ मनाएं। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर उन्होंने अपने कुलदेवता का आशीर्वाद लिया ताकि पूरे परिवार और ग्रामवासियों का जीवन खुशियों और समृद्धि से भरा रहे। इस अवसर पर डॉ. रमन सिंह ने सभी ग्रामवासियों को नए विधानसभा भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भी सादर आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि नए भवन का लोकार्पण छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। स्थानीय लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष के आगमन और स्नेहपूर्ण व्यवहार की सराहना की। उनका कहना है कि अध्यक्ष का यह दौरा ग्रामवासियों के लिए प्रेरणा और उत्साह का स्रोत रहा।

इसके साथ ही ग्रामीणों ने उन्हें अपने क्षेत्र की जरूरतों और विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ. रमन सिंह के इस दौरे ने नरक चतुर्दशी के अवसर को और भी खास बना दिया। उनके साथ ग्रामवासियों के साझा उत्साह ने सांस्कृतिक और सामाजिक सौहार्द्र का संदेश दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष ने सभी से अपील की कि दीपावली के पर्व को पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस सांस्कृतिक धरोहर का आनंद ले सकें।

धन तेरस पर बाजारों में बरसा धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धनतेरस का पर्व इस साल छत्तीसगढ़ के बाजारों में धनवर्षा लेकर आया। शनिवार को राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में सुबह से देर रात तक ग्राहकों की भारी भीड़ रही। खरीदारी का ऐसा उत्साह देखने को मिला कि कई जगहों पर दुकानों के बाहर लंबी कतारें लग गईं। कारोबारियों के मुताबिक इस बार धनतेरस पर प्रदेश में करीब चार हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कुल कारोबार हुआ है।

धनतेरस पर सबसे ज्यादा रौनक ऑटोमोबाइल सेक्टर में देखने को मिली। एक ही दिन में प्रदेशभर में करीब 50 हजार वाहन बिके, जिनमें से 40 हजार दुपहिया और 6 हजार चार पहिया वाहन शामिल हैं। कारों की कमी के कारण सिर्फ 50 प्रतिशत डिलीवरी ही हो पाई, बाकी गाड़ियों की डिलीवरी रविवार या सोमवार तक दी जाएगी। फाडा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष विवेक गर्ग के मुताबिक, इस बार जीएसटी दरों में राहत और आकर्षक ऑफर्स की वजह से वाहन बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। अकेले इस सेक्टर में 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ है।

धनतेरस पर सराफा बाजार में भी खूब चमक रही। सोने-चांदी की ऊंची कीमतों के बावजूद लोगों ने जमकर निवेश किया। सोना 1.32 लाख रुपए प्रति तोला और चांदी 1.69 लाख रुपए किलो के भाव पर बिकी। हालांकि महंगाई के कारण लोगों ने अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी की- पहले जहां लोग दो तोला सोना खरीदते थे, अब एक तोला या उससे भी कम लिया। फिर भी, सराफा कारोबारियों के अनुसार पूरे प्रदेश में लगभग 1000 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। चांदी के सिक्के, अष्टलक्ष्मी लोटा, लक्ष्मी-गणेश मूर्ति और कुबेर यंत्रों की जबरदस्त मांग रही। इस बार धनतेरस पर इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में भी बूम रहा। ग्राहकों ने एसी, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, कंप्यूटर और मोबाइल फोन की जमकर खरीदारी की। मालवीय रोड व्यापारी संघ के राजेश वासवानी ने बताया कि जीएसटी घटने और नई स्कीम्स की वजह से लोगों ने महंगे एलईडी टीवी और स्मार्टफोन खूब खरीदे।

छत्तीसगढ का पहला वन विज्ञान केंद्र आसना में, आदिवासियों और किसानों की आजीविका को मिलेगी नई उड़ान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से बस्तर को मिली बड़ी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में वन आधारित अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सतत प्रयासों और वनांचल के विकास की प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप, आसना पार्क में प्रदेश का पहला वन विज्ञान केंद्र स्थापित होने जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हमेशा से आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान और उनके जीवन को आधुनिक तकनीक से जोड़कर सशक्त करने पर जोर दिया है और यह केंद्र उनके इसी विज़न को साकार करेगा।

संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से मात्र पांच किलोमीटर दूर स्थित वन विज्ञान केंद्र की स्थापना में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप का विशेष प्रयास रहा है। उनकी पहल पर केंद्र को स्वीकृति मिली है, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के कारण वनोपजों की गिरती मात्रा को रोकने के साथ अधिक उत्पादन हेतु शोध करते हुए ग्रामीणों की आय को तेजी से बढ़ाना है। यह केंद्र न केवल स्थानीय समुदायों की आर्थिक स्थिति को सशक्त करेगा, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ज्ञान और तकनीक का अनूठा संगम

100 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले आसना वन विज्ञान केंद्र वन आधारित आजीविका को बढ़ावा देने का एक मॉडल बनेगा। केंद्र में स्थानीय आदिवासियों और वन कर्मियों को कृषि-वानिकी, औषधीय पौधों की खेती, वनोपज के मूल्य संवर्धन, मधुमक्खी पालन और मशरूम उत्पादन जैसी नवीन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यहां सागौन और हल्दी जैसी फसलों के साथ मिश्रित खेती के मॉडल किसानों को आय और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में मदद करेंगे। इसके साथ ही यहां सर्पगंधा, अश्वगंधा, ब्राह्मी जैसे पौधों की खेती, जिसमें भंडारण और प्रसंस्करण की तकनीकों पर विशेष जोर रहेगा। इस केंद्र में इमली, गोंद, और महुआ जैसे वनोपज के प्रसंस्करण से लोगों की आय में वृद्धि होगी। यहां मधुमक्खी पालन और मशरूम उत्पादन जैसे मॉडल ग्रामीणों को नए रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा केंद्र

वन विज्ञान केंद्र को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, जिसमें व्याख्यान कक्ष, प्रदर्शन हॉल, और प्रशिक्षुओं के लिए आवासीय सुविधाएं रहेंगी। साथ ही मृदा परीक्षण, पानी की गुणवत्ता विश्लेषण और औषधीय पौधों की गुणवत्ता जांच के लिए आधुनिक प्रयोगशाला भी स्थापित की जाएगी। दुर्लभ और संकटग्रस्त वन प्रजातियों के संरक्षण के लिए जर्मप्लाज्म संरक्षण इकाई भी बनेगी।

शोध और नवाचार का केंद्र

यह केंद्र केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य में इसे उच्च स्तरीय शोध केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ वन्य उत्पादों के उत्पादन और प्रसंस्करण पर वैज्ञानिक अनुसंधान होगा। यह स्थानीय उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ बाजार तक पहुँचाने में मदद करेगा, जिससे ग्रामीणों को अधिकतम लाभ मिलेगा। बस्तर वन मंडल के वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि वनांचल विज्ञान केंद्र आसना बस्तर के आदिवासी समुदायों के लिए एक नई सुबह लेकर आएगा। यह केंद्र पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़कर स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाएगा। उनकी आजीविका को मजबूत करेगा और वन संरक्षण के साथ आर्थिक विकास में संतुलन स्थापित करेगा। यह केंद्र बस्तर की वन संपदा और स्थानीय ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़कर एक नया इतिहास रचेगा। आने वाला समय बस्तर के वनवासी आत्मनिर्भरता और समृद्ध का होंगे और वनांचल विज्ञान केंद्र इसकी नींव बनेगा।

खास खबर

भिलाई में जुआरियों ने फूंक दी आरक्षक की बाइक, रेड करने पहुंची थी पुलिस की टीम

भिलाई। दिवाली का त्योहार की शुरुआत के साथ की जुआ खेलने वालों की तादात भी बढ़ जाती है। इधर पुलिस की टीमें भी लगातार जुआरियों की धरपकड़ कर रही है। धनतेरस की रात को नेवई भाठा में जुआरियों पर रेड़ करने गई पुलिस टीम के एक आरक्षक की बाइक को ही फूंक दिया। पुलिस की टीम जुआरियों को पकड़कर लौट रही थी तो देखा कि एक आरक्षक की बाइक जल रही है। इस घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार धनतेरस की रात 18 अक्टूबर को नेवई भाठा में जुआ का फड़ सजे होने की सूचना पुलिस को मिली। जुआरियों को पकड़ने पुलिस वाले बाइक पर सवार होकर निकल पड़े। जुआरियों को उनकी मौजूदगी का अहसास न हो, इसलिए पुलिस वालों ने अपने बाइक दूर में खड़ा किया। फिर पैदल जाकर जुआरियों को पकड़ लिया। जुआरियों को पकड़ने के बाद पुलिस वाले बाइक की ओर लौट रहे थे। तभी पुलिस वाले आरक्षक 1408 भूमेन्द वर्मा की बाइक जलती हुई नजर आई। बाइक पर आग किसने लगाया यह तो पता नहीं, लेकिन इस वजह से वह पूरी तरह से जलकर खाक में तब्दील हो गई है। मामले की जानकारी मिलते ही एएसपी शहर सुखनंदन राठौर थाने पहुंचे। उन्होंने घटनाक्रम की जानकारी जुआरियों को पकड़ने गए पुलिस वालों से ली। फिलहाल इस मामले में नेवई पुलिस ने अब तक किसी के खिलाफ अपराध कायम नहीं किया है।

बलौदाबाजार में महतारी एक्सप्रेस का घरेलु उपयोग, सरकार ने की ड्राइवर की सेवा समाप्त

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से महत्वकांक्षी योजना के तहत आपताकालीन सेवा हेतु 102 महतारी एक्सप्रेस संचालित की जा रही है। बलौदाबाजार जिले में आपातकालीन सेवा में संलग्न 102 महतारी एक्सप्रेस का घरेलु उपयोग करने वाले ड्राइवर के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए उसकी सेवा समाप्त कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अक्टूबर 2025 को निलेश साहू ड्राइवर 102 महतारी एक्सप्रेस वाहन क्रमांक सीजी़ 074430 की ड्यूटी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-कसडोल में लगी हुई थी। जनप्रतिनिधि एवं मीडिया के माध्यम से उक्त वाहन में सीमेंट की बोरी लादते हुए विडियो का खंडचिकित्सा अधिकारी कसडोल द्वारा संज्ञान मे लेकर इस प्रकार के कृत्य को आपातकालीन सेवा में घोर लापरवाही मानते हुए ड्राइवर पर तत्काल कार्यवाही करने प्रबंधक 102 महतारी एक्सप्रेस को पत्र प्रेषित किया गया।मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए राज्य कार्यालय प्रबंधक 102 महतारी एक्सप्रेस द्वारा तत्काल वाहन चालक निलेश साहु को कार्यमुक्त करते हुए सेवा समाप्त कर दी गई है।

कृषि प्रोडक्ट की कंपनी में निवेश का लालच, जशपुर में करोड़ों की ठगी, पुलिस की गिरफ्त में दो आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है। कृषि प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी में निवेश का लालच देकर झांसे में लिया और 6 करोड़ रुपए निवेश कराए। इसके बाद न तो लाभ मिला और न ही मूलधन। ठगी का अहसास होने पर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की और इस मामले में दो आरोपियों को जांजगीर चांपा व सक्ती जिले से गिरफ्तार किया है। ठगी में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मामला जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में थाना पत्थलगांव पहुंचकर मदनपुर निवासी, प्रार्थी जागेश्वर लाल यादवने रिपोर्ट दर्ज कराया था। वह खेती-बाड़ी ठेकेदारी का काम करता है, वर्ष 2023 में उसे तथा उसके साथी क्रमशः डॉ पीताम्बर साय निराला, सुकुंद चौहान, राजेंद्र भगत को पत्थलगांव के एक हॉटल मान्या से उसके एक परिचित ने फोन कर बताया कि एक कंपनी से कृषि प्रोडक्ट की जानकारी देने के लिए एक व्यक्ति संतोष कुमार साव, हॉटल मान्या में आए हुए हैं, जिनके द्वारा कृषि प्रोडक्ट की जानकारी दिया जाना है, अतः आप लोग हॉटल मान्या आ जाए, जिस पर प्रार्थी, अपने उक्त साथियों के साथ हॉटल मान्या पहुंच गया।

कृषि प्रोडक्ट की जानकारी देने आए, व्यक्ति संतोष कुमार साव से उनकी मुलाकात हुई, इस दौरान संतोष कुमार साव ने प्रार्थी जागेश्वर लाल यादव व उसके साथ आए साथियों को अपने झांसे में लेते हुए बताया कि वह घरघोड़ा, पत्थलगांव में प्रोडक्ट बेस कंपनी(सी बुल्स ग्लोबल सॉल्यूशन)में कार्य कर रहा है, कंपनी एक कृषि संबंधी प्रोडक्ट्स का नया प्लांट लगाने वाली है, जिसमें निवेश करने पर अच्छा खासा लाभ मिलेगा, व प्रति महीना जमा रकम पर ब्याज मिलता रहेगा, जिस पर प्रार्थी व उसके साथियों तथा पत्थलगांव क्षेत्रांतर्गत अन्य ग्रामीणों के द्वारा भी, संतोष कुमार साव के बताए अनुसार कंपनी में निवेश हेतु रकम दिया गया था। निवेश के कुछ महीने तक रकम, प्रार्थी व उसके साथियों तथा ग्रामीणों को प्रतिमाह ब्याज का रकम मिल रहा था, उसके बाद पैसा आना बंद हो गया।

निवेशकों के रुपए अन्य निवेशकों को ब्याज के तौर पर दिया

पुलिस की जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि, ठगो के द्वारा, निवेश के पश्चात, प्रति दिवस ,निवेशित रकम का 01 प्रतिशत ब्याज के तौर पर देने का लालच दिया गया था, जिससे कि निवेशकों के निवेशित रकम साल भर में तीन गुणा से भी अधिक हो जाती। उदाहरण के तौर पर यदि एक निवेशक , कंपनी में 10 हजार रु लगाता, तब उसे प्रति दिवस 100 रु मिलता व 365 दिन में उसे 36, 500रु की रकम प्राप्त होती, जो कि निवेशित रकम की तीन गुना से भी अधिक होती। मगर ठगों द्वारा, निवेशकों से रकम लेकर, शुरुआत के पांच माह में , उन्हें 1 प्रतिशत ब्याज के रूप में, कुछ रकम वापस किया गया, बाद में रकम देना बंद कर दिया गया, पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि, कंपनी के द्वारा कोई अलग से रकम, ब्याज के तौर पर नहीं दी जाती थी, बल्कि निवेशकों के रुपए को ही, अन्य निवेशकों को ब्याज के तौर पर दिया जाता था। जब नए निवेशक जुड़ना बंद हो गए, तब कंपनी के द्वारा, निवेशकों को ब्याज का रकम देना बंद कर दिया गया, व निवेशकों की रकम को हड़प लिया गया।

यह भी बताया कि जांजगीर चांपा के रहने वाले हरिशरण देवांगन व संतोष कुमार साहू , उसके बिजनेस पार्टनर हैं,उनके द्वारा निवेश की रुपए का, चेक के माध्यम से बैंक गारंटी भी दिया जाता है। हरिशरण देवांगन व संतोष कुमार साहू के द्वारा प्रार्थी व उनके साथियों तथा अन्य निवेशकों को झांसे में लेते हुए, अक्टूबर 2023 में अलग -अलग समय में, कोरबा, चांपा, अंबिकापुर, घरघोड़ा, बिलासपुर में मीटिंग का आयोजन कर, उनसे करोड़ों रुपए का ,कंपनी में निवेश कराया गया। निवेश की रकम पर, गारंटी के तौर पर फेडरल बैंक व इंडसइंड बैंक का चेक दिया गया था।

चूंकि मामला आम ग्रामीणों से करोड़ों रुपए की ठगी से संबंधित था अतः, मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर तत्काल थाना पत्थलगांव में प्रार्थी जागेश्वर लाल यादव की रिपोर्ट पर भा.द. सं 1860 की धारा 420,120(बी) व 34 के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया। पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते जांजगीर व शक्ति से मामले में संदिग्ध आरोपी क्रमशः हरिशरण देवांगन व संतोष कुमार साहू को हिरासत में लेकर लाया गया है। मामले में पुलिस की जांच जारी है, पुलिस ने ठगी से संबंधित सभी संदिग्धों को चिन्हित कर लिया है, जो कि फरार है, उनकी पता साजी जारी है, उन्हें भी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जावेगा।

पुलिस की पूछताछ पर आरोपी हरिशरण देवांगन व संतोष कुमार साहू के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि पत्थलगांव क्षेत्र में कृषि प्रोडक्ट व शेयर मार्केट ट्रेडिंग के नाम पर फर्जी कंपनी के नाम से लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी के मामले में दो आरोपियों को, जिला शक्ति व जांजगीर चांपा से हिरासत में लेकर, गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है, मामले में पुलिस की जांच जारी है, ठगी से जुड़े अन्य आरोपीयों को भी पुलिस ने चिन्हित कर लिया है, शीघ्र ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस पूरी कार्रवाई में एसडीओपी पत्थलगांव धुर्वेश कुमार जायसवाल, थाना प्रभारी पत्थलगांव निरीक्षक विनीत कुमार पांडे, उप निरीक्षक संतोष तिवारी, आरक्षक आशीषन टोप्पो, राजेंद्र रात्रे व कमलेश्वर वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

निवेशकों को बनाया मेंबर और डायरेक्टर

इस प्रकार प्रार्थी जागेश्वर लाल यादव के द्वारा ऑन लाइन व नगद मिलाकर 1 करोड़ 80 लाख रु, उसके साथी लक्ष्मण केशवानी के द्वारा 95 लाख रुपए, कमलेश यादव के द्वारा 10 लाख, भूषण पटेल के द्वारा 33 लाख रुपए, डॉ पीताम्बर साय निराला के द्वारा 25 लाख रु, राजेश देवांगन के द्वारा 15 लाख रुपए, इस प्रकार अन्य लोगों से भी रु लेकर कुल कुल 06 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। निवेशकों के द्वारा अपनी रकम वापस मांगने पर वर्ष 2024 में ठगों के द्वारा हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड बनने के नाम पर, उड़ीसा के सुंदरगढ़ में मीटिंग आयोजित कर, निवेशकों के आधार कार्ड, पेन कार्ड जैसे दस्तावेज लेकर व निवेशकों के हस्ताक्षर लेकर, निवेशकों के नाम पर, सी बुल्स सहयोग निधि, रियल स्टेट व फाइनेंस लिमिटेड के नाम से रजिस्ट्रेशन करा दिया गया और निवेशकों को उसका मेंबर व डायरेक्टर बना दिया गया। कंपनी के द्वारा अपने वेब साइट को बंद कर दिया गया है, व सी बुल्स ग्लोबल सॉल्यूशन कंपनी के डायरेक्टर व उसके सदस्यों से संपर्क करने पर उनके द्वारा, कंपनी में लॉस का बहाना बना कर, रकम वापसी हेतु टाल मटोल किया जा रहा है। व अपने फोन को भी बंद कर दिया गया है।

पुलिस की कार्यप्रणाली रहा सराहनीय

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के द्वारा, उक्त ठगी का खुलासा करने हेतु, एसडीओपी पत्थलगांव धुर्वेश जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी, जिनके द्वारा जांच करते हुए, मामले की तह ,तक जाकर, पुलिस अधीक्षक शक्ति, श्रीमती अंकिता शर्मा व जिला जांजगीर चांपा के पुलिस अधीक्षक विजय पांडे से संपर्क कर , जिला शक्ति व जांजगीर चांपा की पुलिस टीम के सहयोग से उक्त ठगी के दो आरोपियों क्रमशः हरिशरण देवांगन व संतोष कुमार साहू को हिरासत में लिया गया। पुलिस के द्वारा जब आरोपी संतोष कुमार साहू को हिरासत में लेने हेतु उसके घर में दबिश दी गई, तब उनके परिजनों के द्वारा पुलिस टीम के साथ हुज्जत करने का प्रयास किया गया, परंतु पुलिस के द्वारा समझदारी के साथ उनके विरोध को दबा दिया गया व आरोपी संतोष कुमार साहू को हिरासत में के लिया गया।

गुमराह कर लिया झांसे में

पैसा आना बंद होने पर प्रार्थी व उसके साथियों ने, संतोष कुमार साव से संपर्क किया, व पैसा न आने का कारण पूछने पर, उन्हें उक्त सी बुल्स ग्लोबल सॉल्यूशन नामक कंपनी के एमडी मोहम्मद सिराज आलम से मिलवाया गया, जहां मोहम्मद सिराज आलम के द्वारा पुनः प्रार्थी व उसके साथियों को गुमराह करते हुए, झांसे में लेकर बताया गया कि, उसकी कंपनी, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स बेस कंपनी नहीं है, बल्कि एक ट्रेडिंग कंपनी है, और कंपनी का सारा प्लान बताते हुए, कहा कि उनकी कंपनी, सेबी में रजिस्टर्ड है, व 12 वर्षों से शेयर मार्केट में ट्रेडिंग कर रही है, उनकी कम्पनी, रकम निवेश कराने का काम करती है, जो भी निवेशक उनकी ट्रेडिंग कंपनी में निवेश करता है, उसे प्रतिदिन 1 प्रतिशत का लाभ मिलता है, व 10 महीनों में उनका मूलधन लगभग दुगना से अधिक हो जाता है।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आया शख्स, मौत, प्राइवेट कंपनी में करता था नौकरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रविवार की सुबह कुम्हारी में दर्दनाक हादसे में निजी कंपनी में काम करने वाले शख्स की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह रायपुर टाटीबंद में किसी कंपनी में काम करता था और वहीं के लिए निकला था और इस दौरान आटो का इंतजार कर रहा था और तभी ट्रक से उसे कुचल दिया। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार कुम्हारी वार्ड नंबर 18 निवासी मदन यादव (55) रोज की तरह रविवार को भी काम के लिए निकला था। वह एमएन इंफोटेक रायपुर में सेल्समेन की नौकरी करता था। कुम्हारी चौक पर वह ओवरब्रिज के नीचे नंदू किराना दुकान के सामने दुर्ग से रायपुर जाने वाली लेन पर खड़ा था। इस दौरान अहिवारा रोड की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक (क्रमांक OD14 AF 2825) ने उन्हें पीछे से रौंद दिया।

हादसे में मदन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और मृतक परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक चालक काफी तेज गति से वाहन चला रहा था और लापरवाहीपूर्वक सीधे मदन यादव को कुचलता हुआ निकल गया। ट्रक के पिछले पहियों की चपेट में आने से मृतक की कमर से नीचे का पूरा हिस्सा बुरी तरह दब गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

जिंदल प्लांट के कर्मचारी की हत्या, डैम किनारे मिली लाश

रायगढ़। किरोड़ीमल नगर क्षेत्र स्थित उच्चभिट्ठी डेम के पास एक लापता युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक जिंदल प्लांट में मजदूरी का काम करता था। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

नशीली इंजेक्शन के गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को पुलिस ने एक बड़ी सफलता दिलाई है। चौकी बसदेई पुलिस ने नशीली इंजेक्शन की बिक्री करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला और एक नाबालिग भी शामिल है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 300 नशीली इंजेक्शन जब्त किए हैं, जिनकी बाजार कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, 19 अक्टूबर 2025 को चौकी बसदेई पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सिरसी जूनापारा निवासी राही खान अपने घर के पास भारी मात्रा में नशीली इंजेक्शन बिक्री के लिए रखे हुए हैं। सूचना मिलने के बाद चौकी प्रभारी योगेन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दबिश दी और राही खान को पकड़ लिया।

पुलिस ने राही खान की तलाशी लेने पर 38 नग एविल इंजेक्शन और 10 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन बरामद किए। प्रारंभिक पूछताछ में राही खान ने स्वीकार किया कि यह सभी इंजेक्शन उसने आगे की बिक्री के लिए ग्राम जमड़ी निवासी पवन पाटिल, मोहर मनिया, एक अन्य व्यक्ति और एक नाबालिग से खरीदे थे। राही खान के बयान के आधार पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अन्य आरोपियों की तलाश शुरू की। टीम ने ग्राम जमड़ी में छापा मारा और मोहर मनिया को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 118 नग एविल इंजेक्शन और 134 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने पवन पाटिल और एक नाबालिग को भी पकड़ लिया।

इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 300 नग नशीली इंजेक्शन (एविल और रेक्सोजेसिक) जब्त किए। जब्त इंजेक्शन की अनुमानित कीमत लगभग 1,50,000 बताई गई है। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी राही खान (40 वर्ष) निवासी ग्राम सिरसी, पवन पाटिल (18 वर्ष 4 माह), और मोहर मनिया (50 वर्ष) निवासी ग्राम जमड़ी, थाना झिलमिली के खिलाफ धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है। वहीं नाबालिग आरोपी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है। चौकी प्रभारी योगेन्द्र जायसवाल ने बताया कि जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत इस प्रकार की बड़ी कार्रवाई से अन्य नशा विक्रेताओं में डर का माहौल पैदा होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम लगातार निगरानी और गुप्त सूचना प्रणाली के माध्यम से अवैध नशा तस्करी पर नजर रख रही है।

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी योगेन्द्र जायसवाल के साथ प्रधान आरक्षक अलका टोप्पो, आरक्षक देवदत्त दुबे, निलेश जायसवाल, अशोक केंवट, अनिल विश्वकर्मा, अशोक सिंह, रामकुमार सिंह, और महिला आरक्षक पूनम सिंह की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि टीम ने गुप्त सूचना और छापेमारी के माध्यम से आरोपियों को पकड़कर जालसाजी और नशा कारोबार पर रोक लगाई।

शराब पीने का विरोध करती थी पत्नी, पति ने मारकर तालाब में शव को लगाया ठिकाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। तालाब में मिली लाश की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पति ने ही पत्नी की हत्या कर लाश को छुपाने के उद्देश्य से तालाब में फेंक दिया था। लाश पानी में तैरे न इसके लिए आरोपी ने शव के साथ ईंट बांद दिया था। दरअसल, 18 अक्टूबर को भरत लाल राठौर ने शिकायत दर्ज कराई कि 16 अक्टूबर की रात उसकी पत्नी सरस्वती राठौर उम्र 48 वर्ष बिना बताए घर से कहीं चली गई। इस रिपोर्ट पर थाना जांजगीर में गुम इंसान कायम कर पतासाजी की जा रही थी।

इसी दौरान 18 अक्टूबर को सरस्वती राठौर का शव गांव के तालाब में डूबा हुआ मिला। शव का पंचनामा कर जाँच में लिया गया। मर्ग जांच दौरान मृतिका के गले में दो ईट रस्सी से बंधा हुआ था। मृतिका की शव का पोस्टमार्टम कराया गया मृतिका के परिजनों का बारीकी से पूछताछ करने पर बताये कि मृतिका का पति भरत राठौर बहुत ज्यादा शराब गांजा पिता है, जिससे मृतिका बहुत परेशान थी। अपने पति को बार-बार नशा करने से मना करती थी पर भरत राठौर अपनी पत्नी की बात नहीं मानता था और हमेशा उससे मारपीट करता था।

जांच में आरोपी द्वारा ही हत्या कर शव को छुपाने के उद्देश्य से तालाब में फेकना पाया गया। एसपी विजय कुमार पाण्डेय IPS के निर्देश में प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए ASP उमेश कुमार कश्यप के कुशल नेतृत्व में व CSP जांजगीर योगिताबाली खापर्डे के नेतृत्व में विवेचना के दौरान आरोपी भरत राठौर को पुलिस हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि पत्नी के द्वारा आरोपी को बार-बार नशा करने से मना करने व उसके चिड़चिड़ापन होने से गुस्से में आकर तालाब के पानी में डूबा कर हत्या करना व उसके गले में ईट को बांधकर शरीर को पानी के अंदर छुपाना स्वीकार किया। आरोपी गिरफ्तार कर 19 अक्टूबर को न्यायिक रिमांड में भेजा गया।

करमा महोत्सव हमारी प्राचीन और गौरवशाली परंपरा का प्रतीकः मुख्यमंत्री

- ग्राम कण्डोरा में करमा अखरा निर्माण के लिए 50 लाख रुपए की घोषणा
- रौतिया समाज के सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले में अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद, प्रांतीय शाखा छत्तीसगढ़ द्वारा ग्राम कण्डोरा में आयोजित महासम्मेलन (सोहरई करमा महोत्सव 2025) में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कुनकुरी में 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित रौतिया समाज के सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया तथा ग्राम पंचायत कण्डोरा में 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले रौतिया भवन निर्माण का भूमिपूजन किया मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज की मांग पर ग्राम कण्डोरा में करमा अखरा निर्माण के लिए 50 लाख रुपए तथा रायपुर में रौतिया भवन पहुँच मार्ग के लिए 25 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने मंच पर रौतिया समाज के वीर शहीद बख्तर साय और मुण्डल सिंह के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि करमा महोत्सव हमारी प्राचीन और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है, जिसे सभी समाज मिलजुलकर मनाते हैं। यह पर्व हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ प्रकृति के प्रति आदर और सम्मान का भाव भी सिखाता है। उन्होंने कहा कि एकादशी करमा, दशहरा करमा जैसी परंपराएँ हमारी संस्कृति में गहराई से रची-बसी हैं। ये उत्सव समाज को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को तीव्र गति से लागू कर रही है।

सरकार बनते ही पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए की सहायता दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार ने प्रति मानक बोरा दर को 5500 रुपए कर दिया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित भारत की तर्ज पर वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने लोगों से वोकल फॉर लोकल अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की खरीद से न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नक्सल उन्मूलन की दिशा में तीव्रता से कार्य कर रही है। दो दिन पूर्व ही 210 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में वापसी की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए मेडिकल कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज तथा शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज की स्थापना की जाएगी, जिससे स्थानीय युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान स्थित आमा बगीचा के करमा पूजन स्थल पर करम वृक्ष की डाली की पारंपरिक रीति से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने करमा नर्तक दल के साथ गले में मांदर टाँगकर ताल मिलाते हुए करम वृक्ष की डाली के चारों ओर उत्साहपूर्वक नृत्य किया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवारजन भी उपस्थित थे।

सोहरई करमा महोत्सवः रौतिया समाज की सांस्कृतिक पहचान

सोहरई करमा महोत्सव मूलतः रौतिया समाज द्वारा गोवर्धन पर्व के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला पारंपरिक पर्व है। इस दिन नए फसल को पूरे विधि-विधान से पूजा-पाठ कर घर लाया जाता है। ग्राम कण्डोरा में आयोजित इस भव्य आयोजन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से आए कुल 52 मंडलों के नर्तक दलों ने सहभागिता की। विविध लोक संस्कृतियों और पारंपरिक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उल्लास और उत्सव की भावना से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर सांसद राधेश्याम राठिया, अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओ. पी. साय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दामोदर सिंह, राष्ट्रीय महासचिव आजाद सिंह, केंद्रीय संगठन मंत्री भुनेश्वर केसर, केंद्रीय महिला सदस्य उमा देवी सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बुजुर्गों संग मनाई दीवाली

ममता और स्नेह के दीपों से झिलमिलाया वृद्धाश्रम, बुजुर्गों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दीपावली के अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने माना रायपुर स्थित वृद्धाश्रम पहुँचकर वहाँ निवासरत वरिष्ठ नागरिकों के साथ दीवाली पर्व की खुशियाँ साझा कीं। उन्होंने स्वयं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और बुजुर्गों को मिठाई, नए वस्त्र एवं उपहार प्रदान किए।

वृद्धजनों के बीच बैठकर उन्होंने आत्मीय संवाद किया और उनके स्वास्थ्य तथा आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हमारे ये वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। इनके अनुभव और आशीर्वाद से ही समाज की नींव मजबूत होती है। शासन का प्रयास है कि वृद्धजन सम्मानपूर्वक और आत्मसम्मान के साथ जीवन व्यतीत करें।

कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम परिसर को दीपों और रंगोलियों से सजाया गया था। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों ने मिलकर बुजुर्गों के साथ दीप जलाए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि बुजुर्गों की देखभाल में किसी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार वृद्धजनों के कल्याण हेतु वृद्धजन सेवा योजना, पेंशन सुविधा, स्वास्थ्य जांच शिविर, मानसिक-सामाजिक परामर्श केंद्र जैसी योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि दीवाली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि संवेदनाओं को साझा करने का अवसर है।

उन्होंने युवाओं से भी अपील की कि वे इस पावन पर्व पर अपने आसपास के बुजुर्गों से मिलें, उनका आशीर्वाद लें और उन्हें अपनत्व का अहसास कराएँ।

राज्यपाल रमेन डेका से छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने सौजन्य भेंट की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सौजन्य भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी।

धरती आबा के आंगन से विज्ञान भवन तक-कोरिया की विकास गाथा को मिली राष्ट्रीय पहचान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धरती आबा' में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कलेक्टर चंदन त्रिपाठी को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश की राजधानी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'राष्ट्रीय कॉन्क्लेव ऑन आदि कर्मयोगी अभियान' में छत्तीगसढ के कोरिया जिले ने एक बार फिर अपनी विकास यात्रा से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान में उत्कृष्ट कार्यों के लिए कोरिया जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी को सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम एवं राज्यमंत्री श्री दुर्गा दास उइके भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा को भी राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति के हाथों सम्मान प्राप्त हुआ।

154 जनजातीय ग्रामों में विकास की नई मिसाल

'धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत कोरिया जिले के 154 जनजाति बहुल ग्रामों, बैकुंठपुर ब्लॉक के 138 और सोनहत ब्लॉक के 16 ग्रामों में लगभग 38 हजार जनजातीय परिवारों को शासन की 17 विभागों की 25 योजनाओं का लाभ दिलाया गया है। शिविरों और डोर टू डोर अभियानों के माध्यम से लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, पीएम जन धन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम उज्जवला, जाति-निवास प्रमाण पत्र, वनाधिकार पट्टा, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम आवास योजना, सिकल सेल टेस्टिंग, सुकन्या समृद्धि योजना तथा पीएम विमान बीमा योजना जैसे योजनाओं से जोड़ा गया। समयबद्ध क्रियान्वयन और मैदानी स्तर पर नवाचारों के चलते यह पहल जनसहभागिता का प्रतीक बनी है।

राष्ट्रीय स्तर पर नवाचारों की सराहना

छत्तीसगढ के कोरिया जिले के जनजातीय अंचलों में किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना जिले के लिए गर्व की बात है। यह सम्मान नवाचार, जनसहभागिता और सतत विकास की दिशा में कोरिया की उपलब्धियों का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा श्यह सम्मान हमारे उन कर्मयोगियों की पहचान है जिन्होंने जनजातीय सशक्तीकरण को धरातल पर साकार किया है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि बस्तर से सरगुजा तक हर जनजातीय परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और उन्हें हर स्तर पर सशक्त किया जाए।

योजनाओं की रोशनी को जन-जन तक पहुंचाना ही सुशासन

छत्तीसगढ़ शासन में आदिम जाति विकास मंत्री एवं कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा यह उपलब्धि हमारे अधिकारियों, फील्ड स्टाफ और जनप्रतिनिधियों की मेहनत का परिणाम है, जिन्होंने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद योजनाओं की रोशनी को जन-जन तक पहुँचाया है, उन्होंने कहा कि जन-जन तक योजनाओं को पहुंचाना व लाभ मिलना ही सुशासन है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950